आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार यश भारत 16 वें वर्ष में प्रवेश

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिन करें
WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 16 अंक 13- ● जबलपुर ● रविवार, 13 फरवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष-13 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

दो मजदूर अब भी फंसे रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

स्लीमनाबाद टनल हादसे में 12 घंटे से चल रहे बचाव कार्य के बाद 7 मजदूर सुरक्षित निकाले गए

कटनी । मध्य प्रदेश के कटनी जिले के स्लीमनाबाद में शनिवार रात भूमिगत नहर की मिट्टी धंसने से नौ मजदूर दब गए। रविवार सुबह तक इनमें से 7 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और अंदर फंसे 2 मजदूरों को निकालने का प्रयास जारी है।

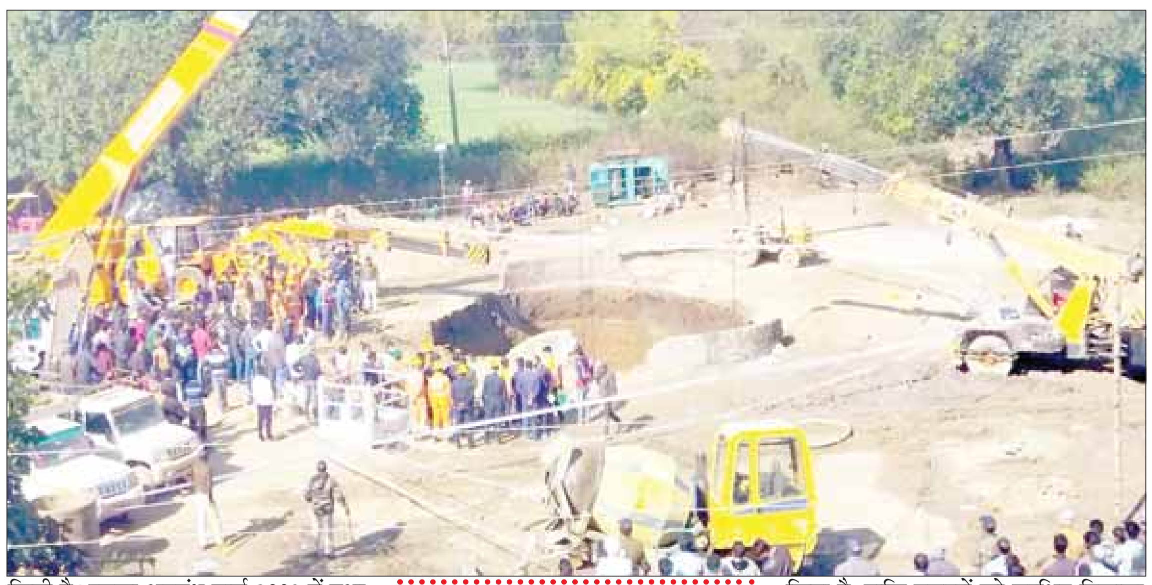

रात करीब सा? सात से 9 के बीच जब मजदूर काम कर रहे थे, तभी मिट्टी बगल से धंसकने लगी और मजदूर उसके नीचे दब गए। इसकी सूचना नर्मदा विकास प्राधिकरण के इंजीनियरों ने जिला प्रशासन को दी। इसके बाद कलेक्टर प्रियंक मिश्रा व एसपी सुनील जैन मौके पर पहुंचे। सुरक्षित निकाले गए तीन मजदूर दीपक, नर्मदा व मुन्नीदास प?कुर गांव, जिला सिंगरौली के रहने हैं। फंसे मजदूर सिंगरौली के चितरंगी, महाराष्ट्र के नागपुर व झारखंड के बताए जा रहे हैं।बरगी व्यपवर्तन परियोजना की स्लीमनाबाद भूमिगत नहर की लागत 799 करो? रुपये व लंबाई 11.95 किमी है। इसका अनुबंध मार्च 2008 में हुआ और इसे 40 माह की अवधि में जुलाई 2011 तक पूर्ण किया जाना था। मुख्यमंत्री ने संबंधितों से जून 2023 तक टनल का कार्य पूरा करने के लिए कहा है।

मिट्टी हटाने के लिए किया गड्ढा

हादसे के बाद 30 फीट गहराई में मिट्टी भर गई, जिसके कारण रेस्क्यू में समस्या आ रही थी। रेस्क्यू टीम ने मिट्टी हटाने के लिए गड्ढा किया है, ताकि मजदूरों को सुरक्षित निकाला जा सके। घटना की जानकारी लगते ही बहोरीबंद विधानसभा प्रणय पांडेय भी मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कलेक्टर-एसपी से रेस्क्यू पर चर्चा की।

14 फरवरी को होगा मतदान

आज थम जाएगा दूसरे चरण की वोटिंग के लिए चुनाव प्रचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार आज शाम 6 बजे खत्म हो जाएगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 9 जिलों की 55 सीटों पर 586 प्रत्याशी मैदान में है। दूसरे चरण में पश्चिमी यूपी के 9 जिलों में सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर की 55 सीटों पर मतदान होना है।कई बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर उत्तर प्रदेश में दूसरे चरण के लिए सभी राजनीतिक दल एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं, दरअसल यहां कई बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। दूसरे चरण के चुनाव में शाहजहांपुर सीट से वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, जलशक्ति राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, नगर विकास राज्यमंत्री महेश चंद्र गुप्ता, शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी साथ ही आयुष राज्यमंत्री रहे डॉ. धर्म सिंह सैनी (अब सपा में) की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। साथ ही पूर्व मंत्री आजम खान रामपुर

और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम स्वार सीट से चुनाव मैदान में हैं। इस सीट से भाजपा की सहयोगी अपना दल ने सोनेलाल से हैदर अली खान उर्फ हमजा मियां को टिकट दिया है। हैदर अली खान पूर्व सांसद नूर बानो के पौत्र हैं। संभल से सपा के टिकट से पूर्व मंत्री इकबाल महमूद व अमरोहा से पूर्व मंत्री महबूब अली भी साइकिल चुनाव चिन्ह से मैदान में है।

बाजार में महिलाओं को छेड़ रहे गुंडों ने पुलिसकर्मी की कॉलर पकड़ी, गुस्साए कांस्टेबल ने की पिटाई

सीहोर। सीहोर के बाजार में शराब के नशे में धुत 5 गुंडों ने उत्पात मचाया। मछली पुल पर गुंडों ने महिलाओं को छे?ा, राहगीरों को पीटा। दहशत के कारण कुछ दुकानदारों ने तो दुकान के शटर तक गिरा दिए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें काबू करने की कोशिश की, तो उन्होंने पुलिस पर ही हमला कर दिया। एक ने तो पुलिसकर्मी की कॉलर पक?कर झूमाझटकी तक कर दी। इससे गुस्साए कांस्टेबल ने गुंडों को धुनाई कर सबक सिखाया। मछली पुल पर हंगामा कर रहे गुंडों का पहला शिकार गैस सिलेंडर लेकर जा रहा हॉकर बना। उन्होंने उसे रोका और रुपयों की डिमांड की। मना करने पर उन्होंने उसे पीटना शुरू कर दिया। हॉकर जैसे-तैसे जान बचाकर भाग निकला तो उन्होंने राहगीरों से हरकत शुरू कर दी। महिलाओं और युवतियों को रोककर उनके साथ छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार किया।

खरगोन में गोवंश से लदी लोडिंग गाड़ी पकड़ी, घायल मिले 3 बछड़े और 2 बैल

खरगोन में पुलिस ने लोडिंग गाड़ी से 5 गोवंश बरामद किए हैं। झिरन्या थाना क्षेत्र के मांडवा भट्टी के पास मुख्यमार्ग पर पुलिस पेट्रोलिंग कर रही थी। लोडिंग गा?ी को रुकने का इशारा किया तो ड्राइवर गा?ी ख?ी कर भाग निकला। वाहन से 3 बछ? और 2 बैलों को जब्त किया गया। जानवर बुरी तरह चोटिल हैं। शरीर पर गहरे घाव हैं। चौकी प्रभारी रमेश पवार ने बताया कि गोवंश को मोरवा ग्राम पंचायत के कमोदवाडा गौशाला में छोड़ा गया। लोडिंग वाहन सामरपाट का है।

छिंदवाड़ा में चार आरोपी दोषमुक्त

छिंदवाड़ा। 5 साल पहले छिंदवाड़ा में बाघ की खाल की तस्करी में 4 लोगों को आरोपी बनाया गया था। मामले में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने जो फैसला सुनाया, उसने सबको चौंका दिया। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने जिस खाल को बरामद किया था, वो बाघ की जगह कुत्ते की पाई गई। इसलिए न्यायालय ने सभी चारों आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया।मामला 2017 का है। 22 जुलाई 2017 को थाना देहात पुलिस ने गुरैया रानीकामठ से चार आरोपियों को बाघ की खाल बेचने का सौदा करने के दौरान गिरफ्तार किया था। संदीप उर्फ मोनू, राजेश विश्वकर्मा, रामकुमार एवं अभिजीत उर्फ मटरू को आरोपी बनाया गया था। खाल की रिपोर्ट 17 अक्टूबर 2017 को स्कूल आफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ द्वारा जारी की गई थी। बताया गया था कि यह बाघ की जगह कुत्ते की खाल है, लेकिन उक्त रिपोर्ट संबंधित पुलिस टीम द्वारा वर्ष 2021 के अंतिम माह में प्रस्तुत की गई। पूरे प्रकरण में न्यायालय ने सुनवाई करते हुए बाघ की जगह कुत्ते की खाल की रिपोर्ट सामने आने पर प्रकरण में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत बनाए।

चुनाव से पहले पार्टियों को बड़ी राहत

E C ने चुनाव प्रचार का समय 4 घंटे बढ़ाया

पदयात्रा के साथ 50% क्षमता के साथ सभा की दी इजाजत

नई दिल्ली । 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के बीच निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रचार में पदयात्रा करने की अनुमति दे दी है। आयोग ने चुनाव प्रचार का समय भी 4 घंटा बढ़ा दिया है। पहले चुनाव प्रचार का समय सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक कर दिया था। अब सभी पार्टियां पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रचार कर सकेंगी।

नई गाइडलाइन के मुताबिक जिला प्रशासन से अनुमति लेने के बाद पार्टियां सीमित संख्या के साथ पदयात्रा कर सकेंगी। मैदान या रैली स्थल की अधिकतम क्षमता के 50 फीसदी संख्या के साथ सभा की जा सकेगी। बता दें कि देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते आयोग ने पदयात्रा पर रोक लगाते हुए चुनाव प्रचार का समय भी तय कर दिया था।

चुनाव आयोग ने 8 जनवरी को सभी पांच राज्यों में चुनाव और नतीजों की तारीखों का ऐलान किया था। साथ ही 15 जनवरी तक सभी चुनावी रैलियों पर रोक लगा दी थी। आयोग ने कहा है कि अगर कोई भी चुनावी रैलियों या प्रचार से जुड़े नियमों का उल्लंघन करता है तो उस पर जिलाधिकारी या निर्वाचन अधिकारी कार्रवाई कर सकता है। ऐसे लोगों को आगे कोई भी रैली करने से रोका जा सकता है।

पार्टी मनाकर लौट रहे तीन दोस्तों की कार पलटी, एक की मौत, दो घायल

इंदौर। धार रोड से पार्टी मनाकर घर लौट रहे तीन दोस्तों की कार शुक्रवार रात दिलीप नगर मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद एक पे? से टकराई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, वहीं कार चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है। तीसरे दोस्त को मामूली चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक बहुत तेजी से कार चला रहा था।
गांधी नगर टीआई संतोष सिंह यादव के अनुसार, मृतक का नाम शिवम भंसाली (24) था। वह गुरुकृपा कॉलोनी में रहता था। वहीं कार चालक विनय तिवारी 60 फीट रोड पर रहता था।

नहीं टला यूक्रेन-रूस संकट : बाइडेन ने पुतिन से 62 मिनट बात की,

युद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी

एजेंसी। यूक्रेन-रूस के बीच जारी तनाव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विवाद शांत करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की थी, जो बेनतीजा रही। बातचीत के दौरान बाइडेन ने पुतिन से युद्ध टालने की अपील की और चेतावनी भी दी कि अगर युद्ध हुआ तो रूस को करारा जवाब मिलेगा। वहीं, रूस ने अमेरिका को सनकी तक कह डाला। बातचीत के कुछ देर बाद ही अमेरिका ने यूक्रेन स्थित अपने दूतावास को खाली करने का निर्देश भेज दिया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच हालात स्थिरता को लेकर बात नहीं बन पाई है।रिपोर्ट्स के मुताबिक 62 मिनट की बातचीत में बाइडेन ने पुतिन से कहा कि अगर रूस यूक्रेन पर हमला करता है, तो अमेरिका और उसके सहयोगी देश रूस को करारा जवाब देंगे। बाइडेन ने आगे कहा कि हमले से मानव जाति को भारी नुकसान होगा, इसलिए रूस युद्ध के बारे में न सोचे। वहीं, अमेरिका ने रूस को भरोसा दिया है कि वह यूक्रेन को लेकर कूटनीतिक बातचीत के लिए तैयार है।

अमेरिकी सरकार रूस के जवाबों से संतुष्ट नहीं

बाइडेन और पुतिन की बातचीत के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय से जु? एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि रूस आक्रमण करेगा या नहीं, अभी इस पर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल पाया है। वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन से अपने 160 प्रशिक्षु सैन्य अधिकारियों को वापस बुला लिया है, जबकि यूक्रेन में काम कर रहे 80 सैन्य अधिकारियों को वापस बुलाने की तैयारी में है।

जल समस्या को लेकर कार्यालय पहुंचे सैकड़ों किसान, SDM बोले- चुप रहो नहीं तो 147 ठोंक दूंगा

सिवनी। सिवनी में किसानों को धमकी देते हुए स्ष्ठरू का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे किसानों को फटकारते हुए कह रहे हैं कि आवाज मत करो नहीं तो मैं 147 ठोंक दूंगा। इसका विरोध करते हुए किसानों ने कहा कि सर धमकी मत दीजिए। तब जाकर स्ष्ठरू के तेवर ठंडे पड़ गए।दरअसल सिवनी जिले के केवलारी क्षेत्र के किसान संजय सरोवर परियोजना, भीमगढ़ बांध की ऋष्ट दांयी तट कैनाल के टेल क्षेत्रों में सिंचाई का पानी ना मिलने से परेशान है। क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति किए जाने को लेकर किसान कई बार विभागीय अधिकारियों से निवेदन कर चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।परेशान किसान समाधान ढुंढते हुए स्ष्ठरू कार्यालय सिवनी पहुंचे। जहां एसडीएम अमित सिंह ने उन्हें धमकी देते हुए चुप रहने को कहा। स्ष्ठरू ने किसानों से कहा कि अरे चुप रहो नहीं तो अभी 147 की धारा ठोंक दूंगा।

6 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए गोविंदगढ़ थाना प्रभारी एवं दो पुलिसकर्मी ट्रेप

रीवा। जिले के गोविंदगढ़ में थाना प्रभारी समेत दो पुलिसकर्मियों को 6 हजार रुपए की घूस लेते थाना परिसर में पकड़ा गया है। निरीक्षक थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक बबुआ सिंह और आरक्षक राजकुमार को पक?ा गया है। आरोप है कि सोन नदी से रेत तस्करी के लिए 4 डंपर के बदले गोविंदगढ़ थाना पुलिस 12 हजार रुपए महीना लेती थी। लेकिन अब 15 हजार रुपए महीना मांगने लगी। जब तस्कर ने रकम नहीं बढ़ाई तो पुलिस ने डंपर पकड़ लिया। इसी मामले को रफा-दफा करने के लिए पुलिसकर्मी 6 हजार रुपए ले रहे थे। लोकायुक्त एसपी गोपाल सिंह धाकड़ ने टीम के साथ सुबह 11 बजे थाने के अंदर से तीनों को पकड़ा। लोकायुक्त से मिली जानकारी के तहत मुनीष कुमार पटेल पिता महेंद्र कुमार पटेल निवासी तहसील रामपुर नैकिन जिला सीधी ने लोकायुक्त में शिकायत किया था कि वाहनों की एंट्री करने के एवज में गोंविदग? थाना प्रभारी सहित उनका स्टाफ 6 हजार रूपये की रिश्वत मांग रहा है।

सूरज के पास एक और ग्रह की खोज

जानिए कितना खास है पृथ्वी का पड़ोसी ?

वैज्ञानिकों ने हाल ही में सूरज के नजदीक एक ग्रह को खोजा है। यह ग्रह पृथ्वी के वजन का 1 चौथाई वजन रखता है। अपने तारे के करीब चक्कर लगा रहा है। सूर्य और बुध के बीच की दूरी का दसवां हिस्सा है। फिलहाल इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं है। साइंटिस्ट अब इसमें जीवन की तलाश कर रहे हैं।

चिली स्थित यूरोपियन साउदर्न ऑब्जरवेटरी वेरी लार्ज टेलिस्कोप से वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को देखा। जब उन्हें प्रॉक्सिमा सेंटॉरी तारों के चारों तरफ एक बुलबुला दिखाई दिया। उन्होंने देखा कि यह बुलबुला हर 5 दिन में अपने तारे का 1 चक्कर लगा रहा है। जब जांत की तो पता चला कि एक ग्रह है।नए अध्ययन की मांग इस ग्रह को खोजने वाली टीम के सदस्य जोआओ फारिया ने बताया कि हमारे पड़ोसी तारे प्रॉक्सिमा सेंटॉरी के चारों तरफ दुनिया है। जो नए अध्ययन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, %यह ग्रह प्रॉक्सिमा सेंटॉरी से 40 लाख किमी दूरी पर चक्कर लगा रहा है।

ग्रह का नाम प्रॉक्सिमा डी

फारिया ने कहा कि यह अपने तारे से इतना नजदीक है। यहां भी जीवन हो सकता है। इस नई खोज की रिपोर्ट जर्नल एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित हुई है। नए ग्रह को प्रॉक्सिमा डी नाम दिया गया है।

सौर मंडल का तीसरा ग्रह

प्रॉक्सिमा डी अपने सौर मंडल का तीसरा ग्रह है। यह प्रॉक्सिमा बी के नजदीक है। प्रॉक्सिमा बी का वजन धरती के बराबर है। यह अपने तारे का एक चक्कर 11 दिन में लगाता है। जबकि प्रॉक्सिमा डी अपने तारों के चारों तरफ 5 दिन में एक चक्कर लगाता है।

ये कैसा प्यार, 17 महीने की मासूम की हत्या कीप्रेमी पर था पड़ोसन से भी अफेयर का शक

बुरहानपुर। बुरहानपुर में खुशी बोदड़े हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। 17 महीने की मासूम खुशी की जान उसके पड़ोस में रहने वाली महिला ने ही ली थी। आरोपी महिला ने पहले उसे अगवा किया, फिर साड़ी से गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया और लाश को बोरी में भरकर पास के कुएं में फेंक दिया। महिला ने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि उसका प्रेमी मासूम खुशी को दुलारता था। जो उसे पसंद नहीं था। महिला को ये भी शक था कि उसके प्रेमी का खुशी की मां के साथ भी अफेयर है। प्रेमी को अपना बनाकर रखने की चाहत में आरोपी महिला ने मासूम खुशी की हत्या कर दी।

शादी के दौरान मंच पर ही दुल्हन की मौत

माता-पिता ने अंगदान कर पेश की मिसाल

कर्नाटक। कर्नाटक में शादी के दौरान ही 26 वर्षीय दुल्हन की अचानक मंच पर ही मौत हो गई। इस घटना ने शादी समारोह में आए सभी लोगों को झकझोर दिया। इस घटना के बाद दुल्हन के माता-पिता ने बेटी के अंगदान कर एक मिसाल कायम की है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री केके सुधाकर ने युवती के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया और माता-पिता के फैसले का स्वागत किया। यह घटना कर्नाटक के कोलार शहर की है।

यहां 26 साल की चैत्रा की शादी हो चुकी थी और रिसेप्शन के दौरान चैत्र दुल्हन बनकर मंच पर पहुंची और दूल्हे के साथ बैठ गई थी, तभी अचानक बेहोश होकर मंच पर ही गिर गई। तब तत्काल चैत्रा के परिजन उन्हें पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बैंगलोर निमहंस अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे वहां ले गए तो डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

नगर निगम जोनों के बुरे हाल

पहले एक लाख खर्च करने का अधिकार था अब एक हजार नहीं कर पा रहे

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम ने विकास कार्यों का विकेंद्रीकरण करने के लिये हर क्षेत्र में जोन कार्यालय की स्थापन की थी । जोन कार्यालय खोलने का प्रमुख उद्देश्य तेज गति से विकास करना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना था । शुरुआत में जोन कार्यालयों को कई अधिकार दिये गये थे । हर जोन कार्यालय को अपने क्षेत्र में 10-10 हजार के 10 कार्य कराने का पॉवर दिया गया था । कार्यलय मेंटेनेंस के लिये 5 हजर रुपये दिया जाता था । ताकि वार्ड की जनता को छोटे - छोटे कार्य के लिये मुख्यालय के चक्कर न लगान प ? । जब से जोन कार्यालयों के अधिकार कम कर दिये गये तब से वार्ड की जनता परेशान है । क्योंकि अब जोन कार्यालय के पस 1 हजर रुपये के कार्य करने का पॉवर नहीं है । वार्ड की जनता कोई न कोई कार्य नहीं होने से जोन अधिकारियों व कर्मचारियों को खरीखोटी सुनाती है ।

कार्यालय के मेंटेनेंस में दिक्कत

जोन कार्यालय का बजट जब से बंद कर दिया गया है तब से कई जोन कार्यालय के जिम्मेवरों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना प ? रहा है । बताया जाता है कि पहले जोन कार्यालय को आकस्मिक निधि 5 हजार रुपये दी जाती थी । इससे कार्यलय के कई कार्य हो जाते हैं । जैसे अचानक कार्यालय के दरवाजे खि ?की टूट जाना कम्प्यूटर बंद हो जाना व निगम का वाहन खराब हो जाना । इस तरह के कार्य तुरंत आकस्मिक निधि से करा लिये जाते थे । लेकिन वह निधि बंद कर दी गई है । अब यहां के अधिकारि व कर्मचारियों को जरूरी कार्य कराने के लिये अपनी जेब से खर्च करना प ? रहे हैं । जानकार बताते हैं कि कुछ जोन वाले तो इस खर्च का ठीकरा जनता पर फो ? देते हैं ।

नहीं ली जाती जोन प्रभारियों से सलाह

जनता से जु ? कई कार्य जो पहले जोन कार्यालय के द्वारा कराए जाते थे। जैसे साफ सफाई , पेयजल और स्ट्रीट लाइट के कार्य सीधे मुख्यालय से किये जा रहे हैं । किसी भी क्षेत्र में पेयजल वा स्ट्रीट लाइट बंद होने की शिकायत आती कराए जाते थे । अब वह सीधे है तो उस क्षेत्र की जनता सीधे जोन कार्यालय पहुंच मुख्यालय से हो रहे हैं । जोन अधिकारियों का इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं होता । मगर जोन के अधिकारी उनकी समस्या का समाधान करने के बजाए हाथ ख ? कर लेते हैं और की जनता परेशान है ।

जनता को भेज रहे मुख्यालय

स्वस्थ्य विभाग , जल , प्रकाश आदि विभागों के कार्य कहें सीधे मुख्यालय भेज देते हैं और कह देते हैं कि आपकी समस्य का समधन नगर निगम मुख्यालय के अधिकारी ही करेंगे । वार्डवासी कहते हैं जब सभी कार्य नगर निगम मुख्यालय से होते हैं तो जोन कार्यालय ही क्यों जाए । इन विभागों के कर्मचारी भी सीधे मुख्यालय में बैठे अधिकारियों के इशारे पर कार्य करते हैं ।

गड्ढा भरवाने के लिये भी पैसे नहीं

पहले निगम जोन कार्यालय के एरिया में कहीं भी गडढा हो जाता था तो जोन कार्यालय के जिम्मेवर तुरंत उस गडढे को भरवाा देते थे । क्योंकि उनके पस 1 लख रुपये के 10 कार्य कराने का अधिकार था । अब इनके पस एक रुपये का भी कार्य कराने का अधिकार नहीं है । अब किसी वार्ड के नाली की पुलिया भसक जाए व किसी स ?क पर गड्ढा हो गया हो तो उसे नहीं भरवाया जाता है । जनता शिकायत कर करके परेशन हो जाती जिम्मेवरों को भुगतना प ?ता है ।

आयुक्त संदीप रजक का कलेक्टर डॉ.इलैयाराजा ने किया स्वागत

योजना क्रियान्वयन में लापरवाही मंजूर नहीं, होगी कार्यवाही : संदीप रजक

जबलपुर,यशभारत। आयुक्त नि :शक्तजन संदीप रजक की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में दिव्यांगजनों के हितार्थ एडव्होकेसी बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सलोनी सिडाना, नगर निगम कमिश्नर आशीष वशिष्ठ, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रत्नेश कुरारिया, संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं नि :शक्तजन आशीष दीक्षित, सक्षम अध्यक्ष पवन जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

एडव्होकेसी बैठक में अधिकारियों को आयुक्त ने दिए निर्देश

सर्वप्रथम कलेक्टर इलैयाराजा ने पुन: आयुक्त नियुक्त होने पर संदीप रजक का पुष्पगुच्छ से सम्मान स्वागत किया। बैठक में दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करने के साथ उनकी शिक्षा, स्वरोजगार, कृत्रिम उपकरण, दिव्यांग प्रमाण-पत्र व इलाज आदि के बारे में विस्तृत चर्चा कर कहा गया कि जनपद स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जाये। जिसमें दिव्यांगजनों की पहचान, उनकी प्रमाण-पत्र, कृत्रिम उपकरण व रोजगार तथा स्वरोजगार सुनिश्चित हो सके। दिव्यांगजनों की शिक्षा के लिए संदीप रजक ने कहा कि होस्टल शीघ्र चालू किया जाये और उनके पालकों को भी सूचित करें कि वे अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कूल भेजना सुनिश्चित करें। केंट बोर्ड द्वारा अभी तक दिव्यांगों की स्कूल संचालित नहीं होने पर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन श्री दीक्षित को निर्देश दिये की वे उन्हें नोटिस दें कि स्कूल शीघ्र शुरू किया जाये। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा ने कहा कि कोविड ड्यूटी में लगे सभी शिक्षक अब वापस जाकर शैक्षणिक कार्य में लग जायें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि दिव्यांगजनों की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार आदि कि दिशा में बेहतर कार्य करें। आयुक्त श्री रजक ने दिव्यांगजनों के लिए कुछ अच्छा करने के लिए कहा, साथ ही उन्हें प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया और डीडीआरसी की शिकायतों के निराकरण के साथ ही जिला पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे इसकी सतत मानिटरिंग करें। संभागीय डीडीआरसी को एक्सीलेंस बनाने के साथ ही शीघ्र ही वर्कशॉप चालू करने के निर्देश दिये गये। दिव्यांगजनों की सुविधाओं के लिए प्रमुख स्थानों पर रैम्प, रैलिंग व लिफ्ट आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ थानों में मूकबधिर की सहायता के लिए एक्सपर्ट की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। आयुक्त संदीप रजक ने कहा योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही मंजूर नहीं होगी, कार्यवाही होगी। इसी तारतम्य में शहर के प्रमुख स्थानों सायनेज लगाने व दिव्यांगों के उपचार के साथ संवेदनशील व्यवहार करने पर जोर दिया।

शराब ठेकेदार ने निगम खजाने में जमा कराई 50000 की जुर्माना राशि

जबलपुर। चंडाल भाटा के समीप संचालित देशी शराब दुकान पर की गई स्पॉट फाइन के बाद शराब ठेकेदार की ओर से जुर्माना राशि निगम के खजाने में जमा कराई गई। एक दिन पूर्व ही कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी एवं निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर अपर आयुक्त वित्त महेश कुमार कोरी ने देशी शराब दुकान के ठेकेदार पर स्पॉट फाइन कर 50000 का जुर्माना लगाया था। आज ठेका एजेंसी मेसर्स प्रभा स्टार की ओर से मुन्ना जायसवाल के जरिए राशि जमा कराई गई। निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ ने शहर में संचालित सभी देशी व अंग्रेजी मदिरा दुकानदारों से अपील है कि वो अपने आस-पास साफ-सफाई रखें तथा अहाता आदि में डस्टबिन रखकर सहयोग प्रदान करें। इसके अतिरिक्त दुकान के सामने, आगे, पीछे सभी तरफ साफ-सफाई रखें। दुकान में स्वच्छता के होर्डिंग 2022 लगायें तथा जबलपुर को नम्बर 1 बनाएं।

बिना तकनीकी विशेषज्ञों के बिजली के पोल पर चढ़कर लगा रहे इंटरनेट केबल

जबलपुर, । बीटी तिराहा गढ़ा में एक युवक बिजली के ट्रांसफार्मर पर करंट से झुलस गया। यह घटना एक सबक और सवाल भी है। सबक ये कि चालू बिजली की लाइन के करीब जाना खतरनाक है। सवाल ये कि बिजली के पोल को किराए पर देकर क्या निजी कंपनी के कर्मियों को इस तरह पोल पर काम करने की अनुमति सहीं है।

जब बिना तकनीकी प्रशिक्षण के आउटसोर्स कर्मी को भी कंपनी बिजली के पोल पर चढ़कर काम करने की अनुमति नहीं देती है। तो फिर निजी इंटरनेट संचालन करने वाली कंपनी के कर्मचारी कैसे बिजली के पोल पर केबिल लगाते हैं।वहीं ऐसे हादसों को लेकर निजी कंपनी की जिम्मेदारी भी तय नहीं है।

ये हुई घटना-

मामला नगर संभाग दक्षिण में गढ़ा के बीटी तिराहे में गत दिवस एक युवक को करंट लगा। वह वहां ट्रांसफार्मर के ऊपर चढ़कर चालू लाइन पर जियो कंपनी का इंटरनेट केबल लगा रहा था। उसी दौरान कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो भी बनाकर इंटरनेट मीडिया में अपलोड किया है। काफी देर बाद युवक को आटो चालक की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। युवक जिसका नाम सौरभ ठाकुर है। वह बिजली के ट्रांसफार्मर के ऊपर चढ़कर लाइन खींच रहा था। नगर संभाग दक्षिण के कार्यपालन अभियंता ने बताया युवक जियो कंपनी का इंटरनेट केबिल खींच रहा था। कंपनी की तरफ से किराए पर बिजली के पोल लाइन खींचने के लिए लेते हैं। घटना के वक्त ट्रांसफार्मर में चढ़ने की जानकारी युवक ने किसी को नहीं दी उसने बिना अनुमति ही ट्रांसफार्मर में चढ़कर लाइन खींचने का प्रयास किया और 11 केवी का करंट उसके शरीर में दौड़ गया।

किराए पर देते है खंभे-

बिजली कंपनी निर्धारित किराया लेकर खंभे को सालभर के लिए किराए पर देती है। इसमें केबिल संचालक,इंटरनेट कंपनी अपनी सुविधा के लिए खंभे का किराया देती है। कई कंपनियां तो बिना किराए भरे ही बिजली के पोल पर लाइन खींचती है। निजी कंपनियों के बीच स्पर्धा के कारण निजी कंपनी लाइनों को बिजली लाइन के करीब लगाती है जिसके लिए बिजली के पोल पर चढ़कर काम करना होता है। ये नियम के विपरीत है लेकिन बिजली कंपनी इस मामले में गंभीर नहीं होती है। निजी कंपनियों को भी किसी तरह की हिदायत नहीं दी जाती है।

बिजली मेंटेनेंस पर लाखों खर्च फिर भी जर्जर बाक्स नहीं बदले

जबलपुर, । मेंटेनेंस के नाम पर हर साल लाखों रुपये बिजली विभाग खर्च करता है लेकिन कई जगह अब भी ट्रांसफार्मर के बाक्स पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। जिन्हें शिकायत करने के बाद भी बदला नहीं जा रहा है। मामला पुरानी सुभाष टाकीज हनुमानताल का है यहां पूरी तरह से टूटे-फूटे इस वितरण केंद्र से कई घरों में बिजली सप्लाई भेजी जा रही है। जिस तरह से इसकी हालात है इसकी वजह से कई जानवर करंट के झटके खाकर घायल हो चुके हैं। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बिजली कंपनी से लेकर जनप्रतिनिधियों तक को शिकायत की हुई है लेकिन सुनवाई नहीं हुई है।

बताया जाता है कि विगत दिवस सुभाष टाकीज के पास लगे डीपी बाक्स के आसपास कचरा फेंकने की वजह से जानवर यहां जमे रहते हैं। कई बार जानवर अपना शरीर बाक्स के करीब लाकर खुजली शांत करने का प्रयास करते हैं जिस दौरान ही करंट लगता है। स्थानीय लोगों ने बताया इसकी शिकायत उन्होंने बिजली कम्पनी के हेल ?पलाइन नम्बर 1912 में तो की ही साथ ही 181 पर भी जानकारी दी गई और जब कार्रवाई नहीं हुई तो विधायक को भी सूचित किया गया है लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

अधिकारी भी नहीं सुन रहे

स्थानीय नागरिक अमित शर्मा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में बिजली विभाग के अफसरों से कई बार शिकायत की। मिशन कपाउंड में अधीक्षण यंत्री तक से इस समस्या को लेकर जानकारी दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जानवर आए दिन करंट लगने से घायल हो जाते हैं।

शिक्षकों की शुरू हुई परेशानी जिला पंचायत सीईओ ने अटैचमेंट खत्म किया

जबलपुर,यशभारत। अटैचमेंट के नाम पर सरकारी कार्यालयों में आराम फरमा रहे शिक्षकों के लिए बुरी खबर है। दरअसल जिला पंचायत सीईओ ने ऐसे शिक्षकों को अटैचमेंट खत्म कर दिया है। सीईओ ने आदेश जारी किया है कि कोरोना संक्रमण के तहत जिन शिक्षकों को कलेक्ट्रेट या फिर अन्य कार्यालय में अटैचमेंट था उसे तत्काल से खत्म किया जाता है। शिक्षकों को अपने मूल विभाग मतलब स्कूल में लौटना होगा। सीईओ के इस आदेश के बाद शिक्षा विभाग में ह ?कंप मच गया है। इधर सीईओ के आदेश जारी करने के पीछे कलेक्ट्रेट में हुई घटना से जो ?ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यशभारत ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी कि शिक्षा विभाग में अटैचमेंट का खेल जारी है। शिक्षक परीक्षा के समय पर स्कूल में होने की वजाए कलेक्ट्रेट में चाकरी कर रहे हैं।

सभी शिक्षकों को स्कूल लौटने के आदेश दिए गए

14 फरवरी को स्कूल में मिले सभी शिक्षक

जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर सलौनी सिडाना ने आदेश जारी करते हुए शिक्षा विभाग के तमाम ब ? अधिकारियों को निर्देशित किया है। जितने भी शिक्षक कोविड कार्य में अटैच है वह 14 फरवरी से सभी अपने मूल विभाग स्कूल में उपस्थिति दर्ज कराएं। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि जिला पंचायत सीईओ के आदेश की जानकारी प्राचार्य व शिक्षकों तक पहुंचा दी गई है। सभी को 14 फरवरी से स्कूल में सेवाएं देना होगी ।

आगाज इंटर्नशिप 2022 के अंतर्गत बाल हिंसा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जबलपुर। आगाज युवा एवं किशोर इंटर्नशिप 2021-22 के अंतर्गत बाल हिंसा विषयक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कार्यक्रम समन्वयक अधिकारी डॉ.अशोक कुमार मराठे एवं मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ.देवांशु गौतम,डॉ.रश्मि टंडन,डॉ.मंजीत कौर साहनी,डॉ.रचना साँचा के मार्गदर्शन में एवं इंटर्न अमित शिवहरे के नेतृत्व में आयोजन हुआ है। जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवको नें बाल हिंसा उन्मूलन,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता,बाल संरक्षण अधिनियम 1986 की उपयोगिता विषय पर पोस्टर निर्माण,नारा लेखन कियाद्य पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से शासकीय विज्ञानं महाविद्यालय जबलपुर की बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्राओं संजोली गरेवाल एवं मोनिका नामदेव को प्रथम स्थान,शासकीय विज्ञानं महाविद्यालय की छात्रा रानी नामदेव एवं माता गुजरी महिला महाविद्यालय की छात्रा मुस्कान साहू को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान,शासकीय विज्ञानं महाविद्यालय जबलपुर के छात्र हेमंत विश्वकर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ हैं।

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262

श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

प्रो. प्रेरणा रोहरा
कुल्हड़ वाला -गरमागरम
केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
मकर संक्रांति के फ्रुट आयटम उपलब्ध
चना रेबड़ी गजक ड्रायफ्रूट
नमकीन तोस लईया लड्डू भेल
Pure & Tasty AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Trusted Since- 2009
CCTV CAMERA
Sales & Sarvice
C.P. Plus, Hikvision, Dahua
AUTH.DEALER- G.S.ELECTRONIC
0% फायनेंस उपलब्ध हैं।
शॉप नं. 127, कछपुरा ब्रिज, हनुमान मंदिर के सामने, संजीवनी नगर, गढ़ा जबलपुर Mob:-9098983263,9131193852

1 ग्राम ए.डी. एवं फैंसी ज्वेलरी के थोक विक्रेता
पूजा जैसा कोई न दूजा
पूजा इमीटेशन
पेपर कटिंग लाने पर एक जोड़ी ईयर रिंग फ्री
मात्र 800 की खरीदी पर एक आईक्रोनिक काजल फ्री
1 ग्राम गोल्ड शोरूम
पता: चूड़ी गली, अन्नपूर्णा मार्केट, गंजीपुरा, जबलपुर (म.प्र.) मो: 9826243750

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
मैरिज स्पेशल शूज
डीसेन्ट फुटवेयर
Exclusive Party Shoes
करमचंद चौक, जबलपुर
प्रो. आकाश श्रीवास्तव
मो.: 9425159114, 8982481114

महिलाओं के साथ बदसलूकी करने वाला शिक्षक निलंबित

महिला आपरेटर- वेक्सिनेटर के साथ की थी अश्लील हरकतें

जबलपुर, यशभारत। कलेक्ट्रेट में कमरा नंबर 36 कार्यरत महिला आपरेटर और वेक्सिनेटर से अश्लील हरकते करना शिक्षक को महंगा पड़ गया। जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षको को निलंबित कर दिया है।

मालूम हो कि बीते दिनों कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 36 में घंसौर स्कूल के शिक्षक दिलीप सिंह ठाकुर ने महिला आपरेटर-वेक्सिनेटर के साथ गंदी-गंदी हरकतें कर नौकरी से निकलवा देने की धमकी दी थी। शिक्षक की हरकतों से परेशान दोनों महिला कर्मी ने ओमती थाना पहुंचकर शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षक दिलीप सिंह ठाकुर को निलंबित कर दिया।

7 साल से गायब था

महिलाओं के साथ बदसलूकी करने वाला शिक्षक पहले से ही विवादों में रहा। शिक्षा विभाग के इस शिक्षक ने पहले भी किरकिरी कराई है। बताया जा रहा है कि शिक्षक 7 साल स्कूल से गायब था जब इसे नौकरी निकाले जाने की कार्रवाई हुई थी तब शिक्षक एकाएक विभागीय अधिकारियों के सामने पेश हो गया।

शराब के नशे में धुत्त था शिक्षक बताया जा रहा है कि महिलाओं के साथ छेड़खानी की बात उजागर होने पर शिक्षक ने कलेक्ट्रेट में जमकर हंगामा मचाते हुए खुद को मंत्री का रिश्तेदार बताया था। कलेक्ट्रेट में मौजूद लोगों की माने तो शिक्षक शराब के नशे में धुत्त था और इसी वजह से वह हंगामा कर रहा था। शिक्षक निलंबन अवधि विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अटैच रहेगा।

रंजिशन युवक को दो बदमाशों ने चाकू से गोदा

घर से बुलाकर दिया वारदात को अंजाम

जबलपुर, यशभारत। हनुमानताल के बड़ी मंडी मदार टेकरी में दरमियानी रात दो आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर युवक को घर से बाहर बुलाया और जमकर मारपीट करते हुए चाकू से गोदकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित लहूलुहान हालत में वहीं पड़ा रहा, जिसके बाद परिजनों और आसपास के लोगों ने घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सतीश चौधरी 26 वर्ष ने बताया कि जब वह घर पर था, तब रविदास मंदिर में आरोपी अनुज चौधरी वा शिवा चौधरी ने उसके बुलाया और पुरानी बात को लेकर जमकर मारपीट करने लगे। जब उसने विरोध किया तो चाकू निकालकर उसे घोंप दी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

कार चालक ने मारी टक्कर, मासूम घायल

अस्पताल में किया गया भर्ती, मामला दर्ज

जबलपुर, यशभारत। विजय नगर के एसबीआई चौक में पिता अपनी बच्ची को बाइक से कोचिंग लेकर जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार कार चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वाहन चालक बेट समेत उछलकर रोड से दूर जा गिरे, घटना में मासूम के पैर में गंभीर चोटे आई है। वहीं, घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि रवि मोहन अग्रवाल निवासी ग्रीन सिटी अपनी बेटी अनंतिका अग्रवाल 9 साल को लेकर कोचिंग जा रहे थे, तभी बुलेरो कार क्रमांक एमपी 20 जीए 9252 के चालक ने तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए सीधी टक्कर मार दी।

घमापुर से रद्दी चौकी तक होने लगा सड़क का डामरीकरण, गड्ढों से मिलेगी मुक्ति

जबलपुर, । दो वर्षों तक बारिश की मार से बेहाल हुई घमापुर से रद्दी चौकी सड़क निर्माण का कार्य आखिरकार शुरू कर दिया गया है। जल्द ही नागरिकों को गड्ढ़ों भरी सड़क से मुक्ति मिल जाएगी। दरअसल नगर निगम ने करीब पांच करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से करीब ढाई किमी लंबी और 50 फीट चौड़ी सड़क का नए सिरे से डामरीकरण कार्य आरंभ करवा दिया गया है। सड़क का नए सिरे से डामरीकरण किए जाने से इस मार्ग से रोजाना गुजरने वालों ने राहत की सांस ली है। शहर का ये मार्ग भी व्यस्तम मार्गों में शामिल है। मरम्मत के अभाव में ये सड़क जगह-जगह से उधड़ गई है। कई जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। रोजाना इस मार्ग से आवागमन करने वाले वाहन चालक परेशान होते रहते थे। एक अनुमान के मुताबिक रोजाना इस सड़क से करीब 80 हजार लोग आवागमन करते हैं।

समय-सीमा में पूरा हो काम

निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ ने निगम के लोक कर्म विभाग और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को समय सीमा में सड़क निर्माण संबंधी कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि सभी प्रचलित परियोजनाओं को समय सीमा में पूर्ण किया जाए एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निगमायुक्त ने विभागीय अधिकारियों को कंसलटेंट एवं ठेकेदारों से संवाद स्थापित कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

अन्य सड़कें भी उधड़ी पड़ी

घमापुर-रद्दीचौकी के अलावा कलेक्ट्रेट चौराहे से घंटाघर, तैयब अली चौक से नौदरा ब्रिज, तीन पत्ती चौक, धनवंतरी नगर, गढ़ा स्नेह, यादव कालोनी की तरफ का कुछ हिस्सा सहित अन्य सड़कों की हालात खराब है। कोरोना काल के चलते दो वर्षों से सड़क की मरम्मत तक नहीं कराई गई। बारिश के बाद ये सड़कें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं।

कोरोना के उपचार में ऑक्सीजन की भूमिका महत्वपूर्ण

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर विभाग में कार्यशाला का आयोजित

जबलपुर। कोविड-9 के इलाज और आईसीयू मैनेजमेंट पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। अवसर था नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला का, जिसका आयोजन आईएसए जबलपुर शाखा के सहयोग से गत दिवस हुआ। कार्यशाला का विषय ऑक्सीजन थैरेपी एंड मैकेनिकल वेंटीलेशन इन कोविड-9 पेशेंट्स रहा। इस कार्यशाला का आयोजन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग एवं आयुक्त चिकित्सा शिक्षा निशांत बरब? के मार्गदर्शन में हुआ। इस मौके पर विशेषज्ञों ने कहा कि कोरोना के उपचार में मैकेनिकल वेंटेलेशन और ऑक्सीजन की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस मौके पर डीन डॉ. पीके कसार, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सेठी, डॉक्टर मयंक चंसौरिया, डॉ. राजन बी, डॉ. ममता महोबिया, डॉ. ललित पांडेय, डॉ. जितेंद्र भार्गब, डॉ. आशीष गुप्ता मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने अपने घरों में ही शुरू किया होम कंपोस्टिंग प्लांट

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के अंतर्गत नगर निगम प्रशासन ने नई पहल करते हुए होम कंपोस्टिंग को बढ़ावा देने का विशेष अभियान प्रारंभ किया है। निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के आह्वान पर पहले चरण में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों जिसमें स्वास्थ्य अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुनील गुजराती, अनिल जैन, के.के. दुबे, अनिल बारी, के साथ-साथ सभी 16 संभागों के मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों ने अपने-अपने घरों से ही होम कंपोस्ट प्लांट की शुरुआत की है।

गिरजादत्त चौबे का निधन

जबलपुर। 203, विजय अपार्टमेंट, होम साइंस कॉलेज, नेपियर टाउन निवासी श्री अरविंद दत्त चौबे पिता गिरजादत्त दत्त चौबे, रिटायर्ड अभियंता एमपीईबी का 79 वर्ष की आयु में आज 12 फरवरी 2022 को प्रात: निधन हो गया है। वे जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के व्याख्याता आशीष चौबे के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार तिलवाराघाट में संपन्न हुआ।

यात्रियों के लिए अच्छी खबर

अब कम किराया और कम समय में पहुंचेंगे नैनपुर

9 कोच में जबलपुर से रवाना हुए 8 यात्री

जबलपुर, यश भारत । कोरोना काल के दौरान बंद हुई रानी कमलापति से रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफ ास्ट ट्रेनों और जबलपुर से नैनपुर के बीच पैसेंजर ट्रेनों का पुन:संचालन शुरु हो गया । जिससे जबलपुर से नैनपुर यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी ।12 फरवरी को मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से जबलपुर से नैनपुर जा रही है पैसेंजर ट्रेन में जबलपुर स्टेशन से 9 कोचों में 8 यात्री गंतव्य के लिए रवाना हुए। जबलपुर से नैनपुर की यात्रा कर रहीं शीतला माई निवासी कुसुमलता ने यश भारत को बताया कि उक्त ट्रेन पुन: चालू होने से काफ ी राहत मिलेगी। वह अपने मम्मी पापा से मिलने नैनपुर जा रही महिला यात्री कुसुमलता ने आगे बताया कि अभी तक नैनपुर जाने के लिए यह सफर बस से पूरा करते थे ।जिसके माध्यम से पहले मंडला जाना पड़ता था उसके बाद वहां से बस बदलकर नैनपुर का सफर करते थे। इसमें जहां किराया के साथ समय भी ज्यादा लगता था । अब दोनों चीजों की बचत होगी। उल्लेखनीय है कि जबलपुर से नैनपुर एवं रीवा से रानी कमलापति स्टेशन के लिए दो यात्री गाड़ियों का शुभारंभ शनिवार को रेल भवन नई दिल्ली से केंद्रीय रेल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते,

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सांसद राकेश सिंह, श्रीमती संपतिया उइके सहित रेलवे बोर्ड के अधिकारी तथा पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता, ए जी एम शोभन चौधरी, डी आर एम संजय विश्वास भी वर्चुअल माध्यम से जबलपुर एवं रीवा के समारोह से जुड़े तथा समारोह को वर्चुअल सम्बोधित किया। उक्त मंत्रियों द्वारा दोनों गाड़ीयों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर जबलपुर में आयोजित समारोह में विधायक सुशील तिवारी इंदू तथा जी एस ठाकुर ने तथा रीवा में स्पीकर मध्य प्रदेश विधान सभा गिरीश गौतम तथा सांसद जनार्दन मिश्र ने झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया।रीवा में अतिथियों का स्वागत मुख्य चल स्टाक अभियंता नीरज कुमार ने तथा आभार प्रदर्शन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने व्यक्त किया। जबलपुर में अतिथियों का स्वागत अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने एवं आभार बीमंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील कुमार श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

जिला पंचायत की सीईओ ने लिया प्रधानमंत्री आवास निर्माण में हुई प्रगति का जायजा

जबलपुर। जिला पंचायत की सीईओ डॉ सलोनी सिडाना ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण में हुई प्रगति का जायजा लेने आज जनपद पंचायत पनागर ग्राम कुशनेर, पिपरिया एवं सिमरिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कुशनेर एवं पिपरिया ग्राम पंचायत में बड़ी संख्या आवासों का कार्य अपूर्ण होने पर सबंधित उपयंत्री संजय पांडे को सेवा समाप्ति का नोटिस देने तथा पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। जिला पंचायत की सीईओ ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से भी चर्चा की तथा उन्हें आवास का निर्माण शीघ्र पूरा करने की समझाइश दी। उन्होंने हितग्राहियों से कहा कि समय पर कार्य पूरा न करने पर उनके विरुद्ध वसूली की कार्यवाही की जा सकती है। डॉ सिडाना ने ग्राम पंचायत पिपरिया में मनरेगा के अंतर्गत बाउंड्री वॉल एवं ग्रेवल रोड का निर्माण गुणवत्तापूर्ण नहीं पाये जाने इनका परीक्षण करवाकर प्रतिवेदन जिला पंचायत में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण स्थल पर सूचना फलक नहीं पाये जाने पाने पर भी नाराजी व्यक्त की।

मौसमी सब्जियों को संरक्षित रखने के सिखा रहे गुर : माता गुजरी महिला महाविद्यालय की छात्राओं के सर्टिफिकेट कोर्स

जबलपुर। गुरु गोबिंद सिंग एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित माता गुजरी महिला महा विद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा छात्राओं के कौशल विकास के लिए सर्टिफिकेट कोर्स,फल संरक्षण एवम प्रसंस्करण,संचालित किया जा रहा है।इसके अंतर्गत प्रतिभागी छात्राएं मौसमी सब्जियों को किस प्रकार संरक्षित किया जाता है ,के विभिन्न तरीके सीख रहीं है जैसे मटर,गाजर आदि प्रसंस्करण तकनीकी के अंतर्गत छात्राओं को विभिन्न गुणवत्ता से भरपूर फलों जैसे आमला, नींबू,संतरा आदि का प्रसंस्करण द्वारा विभिन्न प्रकार के पेय,चटनी , जैम , जैली आदि बनाना सिखाया जा रहा है ।

यह प्रशिक्षण महाविद्यालय के निर्देशक डॉ.कमलेश तिवारी,उप प्राचार्या डा.संगीता झांब,कोर्स समन्वयक श्रीमति प्रीति गुप्ता , विभागाध्यक्ष डा.संध्या बटालिया, विभाग के प्राध्यापक डा.माया शुक्ला,डा.वैशाली अयाचित एवम प्रयोगशाला तकनीशियन शैल तिवारी के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

जबलपुर में गेहूं पर निर्भरता कम करने सरसों पर पायलट-प्रोजेक्ट

जबलपुर, ।जिले के किसान आमतौर गेहूं और धान की फसलों पर ही अधिक ध्यान देते हैं। इसकी वजह से हर साल प्रशासन को गेहूं और धान की खरीदी के लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम करना पड़ते हैं। इसके अलावा भी प्रशासन को अनेक प्रकार की चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है। इससे छुटकारा पाने कृषि विभाग कुछ नया करने की तैयारी में है। उसने करीब साढ़े चार हजार हेक्टेयर में सरसों की बुआई करवाई है। अगर परिणाम अपेक्षा के अनुरूप रहे तो संभव है कि उपार्जन के क्षेत्र में एक नए दौर की शुरूआत हो।

जबलपुर जिले में रबी की फसल में मुख्यत

गेहूं ही बोया जाता है। उसी के लिए अधिकांश किसान अपनी प्लानिंग करते हैं। इसी सीजन में होने वाली तिलहन %सरसों% की तरफ कोई ध्यान नहीं देता। कृषि विभाग जिले की ट्रेडीशनल फसल गेहूं के समानांतर सरसों पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम कर रहा है। इस योजना के तहत जिले में करीब सा? चार हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की प्रायोगिक रूप से खेती करवाई जा रही है।

होने वाले खर्च का गणित

कृषि विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि सरसों की फसल लेना गेहूं के मुकाबले कम खर्चे वाला प्रयास है। एक हेक्टेयर में गेहूं बीज एक से सवा क्विंटल तक लग जाता है जबकि सरसों-बीज अधिकतम पांच से छ: किलो लगता है। फर्टीलाइजर और कीटनाशकों की बात करें तो गेहूं में करीब 15000 रुपये प्रति हेक्टेयर का खर्च आता है। जबकि सरसों में यह खर्च बमुश्किल चार हजार रुपये आता है। इसी तरह सिंचाई और मजदूरी पर गेहूं में करीब 23 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर लगते हैं, जबकि सरसों पर होने वाला यह खर्च 18 हजार के आस-पास है। कुल व्यय की बात करें तो गेहूं पर करीब 40 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का खर्च आता है। जबकि सरसों की फसल 22 से 24 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर के व्यय पर ली जा सकती है।

अनुमानित उपज की तुलना

गेहूं करीब 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होता है। जबकि सरसों 20 क्विंटल के आस-पास अनुमानित है। गेहूं का एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) 1950 रुपये प्रति क्विंटल है। इस तरह से उपज का मूल्य करीब 85 हजार होता है। दूसरी तरफ सरसों का समर्थन मूल्य 5050 रुपये है, इस तरह से वो एक लाख रुपये से ऊपर की हो जाती है। यानि करीब 30 फीसदी कम लागत और 20 प्रतिशत से अधिक का लाभ।

रिटायर्ड आर्मी कैप्टन के घर का टूटा ताला, पांच लाख की चोरी

जबलपुर, यशभारत। गोहलपुर के न्यू नर्मदा नगर में शनिवार की दरमियानी रात चोरों ने रिटायर्ड आर्मी कैप्टन के सूने मकान के मेन गेट का ताला तोड़कर, जेवरात और नगदी समेत कुल पांच लाख रुपए में हाथ साफ कर, उड़ गए। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार मनोज कुमार कुर्मी निवासी न्यू नर्मदा नगर, गोहलपुर ने बताया कि वह आर्मी से रिटायर्ड है और वर्तमान में कटनी में सिक्योरिटी ऑफिसर की जॉब कर रहा है। दरमियानी रात वह कटनी में था, उसका पूरा परिवार सिहोरा के पिन्डरई में शादी समारोह में गया हुआ था। जिसके चलते चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

सोफे के नीचे खोज ली चाबी

पीड़ित ने बताया कि मेन गेट का ताला लगाकर सोफे में चाबी छुपा दी थी, लेकिन शातिर चोरों ने चाबी खोज ली और आराम से सूने मकान की अलमारी खोलकर जेवरात और नगदी पार कर दी।

वैलेंटाइन डे और भी फूल हैं गुलशन में गुलाब के सिवा

वैलेंटाइन डे पर अपने जीवनसाथी और दोस्तों को गुलाब के फूल या बुके देने का ट्रेंड है। अमूमन लाल गुलाब प्यार दर्शाने और पीला गुलाब दोस्ती के प्रतीक के रूप में दिए जाते हैं। आलम यह रहता है कि वैलेंटाइन से एक दिन पहले ही गुलाब के फूल बाजार से या तो गायब हो जाते हैं, या फिर कई गुना ज्यादा कीमत पर मिलते हैं। निराश होने के बजाय इस मौके पर लीक से हट कर कुछ नया तलाशें। प्रकृति में कई रंग-बिरंगे और आकर्षक फूलों की विविधता मिल जाएगी जिनके माध्यम से आप अपनी भावनाओं को आसानी से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

आर्किड-

आर्किड फूल शाश्वत और पवित्र प्रेम, खूबसूरती का प्रतीक है। अगर आप अपने जीवनसाथी के प्रति सम्मान और प्यार दर्शाना चाहते हैं तो आर्किड के आकर्षक फूल दे सकते हैं।

जरबेरा डेढ़ी-

कई रंगों में मिलने वाले जरबेरा खूबसूरती, दोस्ती, पवित्रता और जीवंतता का प्रतीक हैं। रूबी लाल, चटख गुलाबी, पीला और सफेद रंग के जरबेरा सबको आकर्षित करते हैं। तो क्यों न इस मौके पर आप अपने पार्टनर को जरबेरा बुके के जरिये अपनी भावनाओं का इजहार करें। निश्चय ही ये फूल उनके चेहरे पर मुस्कान लाएंगे।

कार्नेशन-

कई रंगों में मिलने वाला कार्नेशन फूल दूसरे के प्रति आकर्षण और भावनाओं की अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम हैं। खासकर पिंक कार्नेशन महिलाओं के अटूट प्रेम का प्रतीक हैं। साथ ही ये आसानी से उपलब्ध और पॉकेट फ्रेंडली भी होते हैं। क्यों न इस वैलेंटाइन पर अपने साथी को कार्नेशन फूलों का सुंदर बुके दें।

लिली-

ये फूल सौंदर्य, खुशी, उत्साह, जुनून और प्रेम का प्रतीक हैं। अपने साथी के जुनून और सौंदर्य को सराहने के लिए वैलेंटाइन गिफ्ट में लिली दें। बुके में लिली के साथ गुलाब के फूल का बुके बनवाएं जिससे आपका साथी निश्चय ही खुश होगा।

ट्यूलिप-

प्यार का इजहार करने के लिए गुलाबी, सच्चे प्रेम के प्रतीक के रूप में आकर्षक लाल रंग के और दूसरी की भावनाओं की कद्र दिखाने के लिए पीले रंग के ट्यूलिप फूल दे सकते हैं। ट्यूलिप का रंग-बिरंगा बुके आपके साथी को मोह लेगा, फूलदान में कई दिनों तक शोभा बढ़ाएगा।

सूरजमुखी-

चमकीली पीली पंखुड़ियों और सूरज के समान दिखने वाले ये फूल खुशी, सच्चे प्रेम और जीवंतता का प्रतीक हैं। अगर आप अपने साथी को सूरज की तरह चमकता देखना चाहते हैं, तो इस वैलेंटाइन पर उसे सूरजमुखी फूल का बुके बेहतरीन गिफ्ट है।

दें कुछ अलग तरह के बुके

चॉकलेट बुके-आप चाहें तो अपने पार्टनर को चॉकलेट बुके गिफ्ट कर सकते हैं। चॉकलेट बार से गुलाब या पसंदीदा फूल बनाकर बुके खुद तैयार कर सकते हैं। या फिर बुके में आप छोटे-छोटे फूलों के साथ चॉकलेट भी लगवा सकते हैं। वैलेंटाइन सरप्राइज के साथ चॉकलेट फूल पाकर निश्चय ही आपका पार्टनर आपकी सराहना किए बिना नहीं रहेगा।

कुकीज बुके-

अगर आपको बेकिंग में रुचि है तो क्यों न इस वैलेंटाइन पर अपने साथी को हार्टशेप कुकीज बुके दें। निश्चय ही आपके प्रिय आपके अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।

आर्टिफिशियल फूल बुके-

वैलेंटाइन के मौके पर अपनी भावनाओं को क्रिएटिविटी का जामा भी पहना सकते हैं। कैनवास, प्लास्टिक, कपड़े से बने रंग-बिरंगे फूलों का बुके भी अपने पार्टनर को भेंट कर सकते हैं। ये फूल लंबे समय तक आपके घर या ऑफिस की शोभा बढ़ाएंगे।

टेडीबियर बुके-

छोटे-छोटे कलरफुल टेडीबियर को फूलों के साथ लगवाकर बुके तैयार कर करवा सकते हैं। इस क्यूट बुके के लिए आपका वैलेंटाइन आपकी सराहना जरूर करेगा।

रजनी अरोड़ा

बनें प्लांट्स के डॉक्टर

पेड़ पौधों से प्यार, जॉब की संभावनाएं भी अपार

अगर आपका झुकाव पेड़-पौधों की ओर है और आप अक्सर किसी बाग-बगीचे में घूमते रहते हैं या वनस्पति जगत का सान्निध्य पसंद करते हैं तो क्यों न प्लांट डॉक्टर बन जाएं? इससे आपको इनकी देखभाल का मौका भी मिलेगा, साथ मिलेगा और आजीविका का साधन भी मिलेगा। प्लांट एंड फॉरेस्ट पैथोलॉजी के फील्ड में जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं। वैसे भी पेड़-पौधे सबसे महत्वपूर्ण नेचुरल रिसोर्स होते हैं और इनकी रक्षा सबका सामाजिक दायित्व भी है। हम भोजन और ताजा हवा के लिए भी इन पर निर्भर हैं।

जिम्मेदारी- बढ़ता हुआ प्रदूषण और तापमान वन संपदा के लिए खतरा बन गया है। साथ ही महत्वपूर्ण वनस्पतियां अक्सर बैक्टीरिया व कीट पतंगों के हमलों की शिकार होकर नष्ट हो जाती हैं। इनके हमले में बड़े-बड़े खेत ही नहीं, जंगल के जंगल नष्ट हो जाते हैं। वन संपदा का तेजी से नष्ट होना दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण का सबब बन गया है। ऐसे संकट में प्लांट या फॉरेस्ट पैथोलॉजिस्ट को याद किया जाता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट एक प्रकार से पेड़-पौधों का डॉक्टर ही होता है। इन्हें पेड़-पौधों की सेहत की देखभाल करनी होती है। बीमारियों को डिटेक्ट करना होता है और माकूल इलाज करना होता है। किसी वनस्पति प्रजाति या विशेष क्षेत्र में फैली बीमारी को समझकर इन्हें न सिर्फ उसकी दवा विकसित करनी होती है बल्कि वहां के वातावरण की स्थिति पर भी काबू पाना होता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट फंगल इनफेक्शन और नुकसानदायक खरपतवार की रोकथाम भी करते हैं।

स्कोप - प्लांट एंड फॉरेस्ट पैथोलॉजिस्ट को जॉब मिलने की संभावनाएं प्राइवेट और पब्लिक, दोनों सेक्टरों में हैं। पब्लिक सेक्टर में प्लांट पैथोलॉजिस्ट एग्रीकल्चर या फॉरेस्ट से जुड़ी गवर्नमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी में काम करता है। वन संरक्षण में दिलचस्पी रखने वालों को इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) में अच्छा मौका मिल सकता है। आईएफएस नेशनल फॉरेस्ट पॉलिसी को लागू करवाने के लिए है। इसका काम है एनवायरमेंटल इकोलॉजिकल स्टेबिलिटि और इकोलॉजिकल बैलेंस मेंटेन करना। आईएफएस के हिस्से के रूप में काम करने के लिए आप उन वायरस,बैक्टीरिया, फंगी और अन्य जीवों का अध्ययन कर सकते हैं जो पेड़-पौधों और जंगलों के लिए नुकसानदायक होते हैं।फॉरेस्ट पैथोलॉजिस्ट केंद्र और राज्य सरकारों के साथ काम करते हैं। इनका काम विभिन्न फॉरेस्ट इकोसिस्टम में काम करना और औषधीय व अन्य उपयोग की वनस्पति का उत्पादन करना भी होता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं जहां यह रोगमुक्त फसलें उगाने में किसानों की मदद करते हैं। इन्हें इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के अधीन रिसर्च लैब्स और एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट संस्थानों में जॉब मिल जाता है। प्राइवेट सेक्टर में भी जॉब की संभावनाएं अपार हैं। एग्री केमिकल इंडस्ट्री, बायो टेक्नोलॉजी फॉर एग्रीकल्चरल कंसल्टिंग फर्म आदि रिसर्च के लिए इनको अपॉइंट करते हैं। साथ ही बोटैनिकल गार्डेंस और एनवायरमेंटल प्रोटक्शन एजेंसी को भी इनकी जरूरत होती है। अंगूर की खेती करने वाले अपने बगीचों की सुरक्षा के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट नियुक्त करते हैं। स्किल- इस क्षेत्र में सफलता के लिए वनस्पति और पैथोलॉजी की गहरी जानकारी होनी चाहिए और एग्रीकल्चर में दिलचस्पी होनी चाहिए। साथ ही अत्यधिक धैर्य, अच्छी कम्युनिकेशन एवं ऑब्जर्वेशन स्किल होनी चाहिए।क्या स्टडी करें- देश की सभी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज में प्लांट पैथोलॉजी वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। कुछ विश्वविद्यालयों में इस विषय की विशेष पढ़ाई अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट लेवल की होती है। इसके साथ-साथ एंटोमोलॉजी यानी इंसेक्ट्स पर स्टडी ,नेमाटोलॉजी यानी कृमि पर स्टडी और वीड साइंस यानी जंगली घास की पढ़ाई अतिरिक्त योग्यता मानी जाती है। इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज को ज्वाइन करने के लिए यूपीएससी एग्जाम क्लियर करना जरूरी है।

कहां से करें पढ़ाई

एमएससी इन साइंस (फॉरेस्ट्री)- फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, देहरादूनबीएससी और एमएससी इन प्लांट पैथोलॉजी- असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी ,अरुणाचल यूनिवर्सिटी आफ स्टडीज, एग्रीकल्चर कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ,किलिकुलम और तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी ,कोयंबटूर।

पीएचडी- तेलंगाना स्टेट हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी, केरल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट

×शिखर चंद जैन

व्यस्त रहेंगे तो मस्त रहेंगे बुजुर्ग

पहला सुख नीरोगी काया! बात सही भी है क्योंकि शरीर से ही सुखों का आनंद लिया जाता है। यदि शरीर बीमार है तो समस्त सुख बेकार। यह बात जीवनभर के लिए लागू है लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद और अधिक प्रासंगिक। आखिरकार इस पड़ाव पर स्वस्थ रहना प्राथमिकताओं में शामिल है। जानिये कुछ उपाय, आदतें जिनको अपनाकर बुढ़ापे में स्वस्थ और प्रसन्न रहा जा सके।वृद्धावस्था में रिश्तेदारों और पुराने दोस्तों के पास रहने की कोशिश करें। उनकी कंपनी आपके लिए एक दवा की तरह काम करेगी। ऐसे में अपनी बात किसी से शेयर कर सकेंगे। महानगरीय शहरों की तुलना में छोटे शहरों में पर्यावरण अधिक स्वच्छ है। जाहिर है साफ हवा-पानी व प्राकृतिक वातावरण में सेहत बेहतर रहेगी। ऐसी जगहों पर व्यक्ति की पहचान होती है व सोसायटी बड़े नगर के बजाय ज्यादा केयरिंग होती है। नियमित शारीरिक गतिविधि जैसे पैदल चलना, एक्सरसाइज या योग आदि को स्वस्थ शरीर के लिए जीवन शैली का हिस्सा बना लें। एक बार शरीर को थका दें अन्यथा यह आपको थका देगा। जिन्हें घुटने के जोड़ों की दिक्कत है या ऐसी आशंका है तो एक घंटे के लिए योगाभ्यास काफी है। वहीं योग समूह में करना बेहतर है, जिसमें साथियों का दबाव हमें नियमित रखता है और सामाजिक अलगाव को भी तोड़ता है। रात को 10 बजे बिस्तर पर सोने के लिए चले जायें। यदि कोई व्यक्ति जल्दी उठने वाला है, तो इस उम्र में लंच के बाद करीब 40 मिनट की नींद तरोताजा कर देती है। रात के खाने के बाद 10-15 मिनट टहलना उपयोगी है।

समय पर संतुलित आहार

संतुलित आहार अच्छी सेहत के लिए एक अनिवार्य शर्त है। यदि रात को 8-9 बजे डिनर ले लेते हैं तो सुबह 10 बजे से पहले भरपूर नाश्ता कर लें लेकिन तले हुए व्यंजनों से परहेज करें। दोपहर के भोजन में सलाद, सब्जियां और दही शामिल करें। फल व दूध भी डाइट में हों। समारोहों में भी संतुलित भोजन ही लें । रात का खाना सोने से डेढ़ घंटे पहले ले लें। तन व मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए दिन में व्यस्त रहना जरूरी है। इसके लिए घरेलू कार्यों जैसे दूध, सब्जी लाने का जिम्मा ले लें। संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं तो बच्चों को स्कूल या बस तक छोड़ने-लाने लग जायें। आजकल दूर के स्थानों पर बच्चों की नौकरी लगती है। ऐसे में सेवानिवृत्त लोग अकेले रहते हैं। ऐसे में पॉजिटिविटी के साथ अकेले रहने की आदत डालें। दिन में अपनी पसंद की किसी सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक गतिविधि में शामिल हों। किसी भी विभाग, एनजीओ या राजनीतिक दल के साथ बतौर वॉलंटियर अवसर मिल सकता है जिसमें व्यक्ति समाज सेवा कर सकता है। घर के पास पार्क आदि की देखरेख का जिम्मा ही संभाल लें। समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और शोध पत्रिकाओं में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर लिखना अच्छी आदत है। इससे बुजुर्ग रोशन-दिमाग रह सकते हैं और व्यस्त भी रहेंगे। इन माध्यमों में जनता के जरूरी मुद्दे उठाना जन सेवा भी है।

आपका राशिफल 14 फरवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली- 5736

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5735 (हल)

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6240

सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6239 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

सेहत

अदरक का सेवन तरह-तरह से सर्दियों में इस्तेमाल करें

सर्दियों में भारतीय घरों में अदरक का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से होता है। सर्दी-जुकाम नहीं हो इसलिए भी, और हो जाये तो भी। मसालेदार होने के चलते यह शरीर को गर्मी प्रदान करता है। अदरक एंटी-इंफ्लेमेटरी व शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला माना जाता है। कई बीमारियों के इलाज में इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन यहां जानिये अदरक का सेवन कर कैसे बचें जुकाम-खांसी से।

तुलसी के पत्ते डालकर अदरक की चाय

-जाड़ा शुरू होते ही तकरीबन सभी घरों में रूटीन है तुलसी डालकर अदरक की गरमागरम चाय। अदरक कूटकर और 4-5 तुलसी के पत्ते डाल कर चाय बनायें। इससे इम्युनिटी बढ़ती है। बुखार और सिरदर्द भी कम होता है।

लेमनग्रास और जिंजर पेय -

लेमनग्रास एंटी-फंगल और सूजन रोधी गुणों से भरपूर है। अदरक कूटकर इसे पानी में उबालें, ऊपर से लेमनग्रास डाल लें। 3-4 मिनट के बाद पी लें। शहद मिला लें।

अदरक और गुड़

अदरक को दिन में कम से कम 2-3 बार गुड़ के साथ चबाएं। यह शरीर को गर्मी प्रदान करता है व कफ को बाहर निकालता है।

जिंजर कैंडी -

अदरक कैंडी बाजार में आसानी से मिल जाती है। दिन में 2-3 बार चबाएं तो खांसी में राहत देगी।

खाने में सौंठ -

खाना बनाते समय अदरक पाउडर या सौंठ के लगभग 2 चम्मच को अपनी दाल-सब्जी में डाल लें।

शहद के साथ चटनी -

सर्दियों में शहद, काला नमक, काली मिर्च आदि मिलाकर उसमें जरूरत अनुसार अदरक डालकर चटनी तैयार की जाती है। यह चटनी खांसी को ठीक करने में कारगर मानी जाती है। स्वादिष्ट होने के चलते इसे बच्चे भी खा लेते हैं।

शहद मिलाकर काढ़ा -

सर्दियों के मौसम में शहद के साथ मिलाकर अदरक का काढ़ा तैयार किया जाता है। अदरक कद्दूकस कर थोड़ी देर पानी में उबालें व शहद मिला लें। ऊपर से नींबू भी निचोड़ लें। गले में खराश और खांसी में यह नुस्खा बहुत लाभदायक माना जाता है।

-फीचर डेस्क

विचार प्रवाह

एक व्यक्ति ने सोचा कि समुद्र में स्नान कर लूं तो सभी तीर्थों के स्नान का फल मिल जाएगा क्योंकि समुद्र में गंगा जमुना सब हैं। समुद्र के किनारे गया और बैठ गया। सुबह से शाम होने को आयी लेकिन वह अब भी बैठा है। किसी यात्री ने पूछा नहाने आये हो तो नहाते क्यों नहीं? वह बोला- मैं सोचता हूं कि लहरें उठना बंद हो जायें तो फिर नहाऊं। यात्री बोला समुद्र कभी शांत नहीं होगा। समुद्र में नहाना है तो लहरों का त्रास तो सहना ही पड़ेगा। जीवन में कठिनाइयां तो बनी ही रहेंगी। धर्म ध्यान करने के लिए उस दिन का इंतजार मत करो, जब सब कुछ ठीक ठाक चल रहा होगा, क्योंकि ऐसा दिन कभी आने वाला नहीं है।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7299

बाएँ से दाएँ

1. कथा,गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा,कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति,वर-4
11. योग्य,उपयुक्त-3
13. चिंतन,सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा,शक्ल-3
18. चाकू,खंजर-3
20. उकसाना,चकमा देना -4
23. लक्ष,सौ हजार-2
25. ईश्वर,भगवान-2
26. विदा,गमन-3
27. लेखनी,पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन-2
2. शांति,वीराना-3
3. चिलमन,ओट,घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा,मुद्दा-3
7. आंगन,बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा,क्षारीय-4
12. कारनामा,करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक,स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल,व्यर्थ-2
24. गधा,गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -7298 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

जबलपुर रविवार, 13 फरवरी 2022

भूअर्जन के लिए बाजार मूल्य से दोगुनी राशि देंगे

अटल प्रोग्रेस वे

भोपाल । अटल प्रोग्रेस-वे के लिए भूमि देने वाले किसानों को बाजार मूल्य से दोगुनी राशि दी जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कही। वे बुंदेलखंड के किसान प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल चर्चा कर रहे थे। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी इसमें जुड़े थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। उन्होंने संबंधित जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए कि भू-अर्जन का सर्वे जल्द पूरा करें और किसानों को पारदर्शी तरीके से मुआवजा दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल प्रगति पथ चंबल क्षेत्र में प्रगति के नए द्वार खोलेगा। यहां नए उद्योग पनपेंगे। औद्योगिक कलस्टर विकसित होने से भूमि के दाम बढ़ेंगे। इस प्रोग्रेस-वे के निर्माण से युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा एवं चंबल क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। प्रोग्रेस-वे निर्माण से राजस्थान और उत्तर प्रदेश से मध्य प्रदेश बेहतर तरीके से कनेक्ट होगा। जिससे किसान और अन्य सभी वर्ग भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह भविष्य संवारने की परियोजना है। उल्लेखनीय है कि 404 किलो मीटर लंबे अटल प्रोग्रेस-वे के लिए 1600 हेक्टेयर सरकारी भूमि दी गई है और 1460 हेक्टेयर निजी भूमि का प्रस्ताव है। यह आठ हजार करोड़ रुपये की परियोजना है।

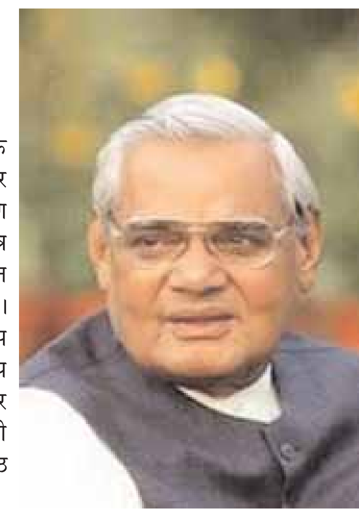

100 फीसदी उपस्थिति के साथ खुलेंगे स्कूल

भोपाल । मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार को देखते हुए राज्य सरकार ने रात्रिकालीन कर्फ्यू को छोड़कर सभी प्रतिबंध हटा लिए हैं। यानी 14 फरवरी से प्रदेश में स्कूल, छात्रावास, आवासीय विद्यालय पूरी क्षमता से खुल सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है कि पहली से हायर सेकंडरी तक की कक्षाएं पूरी क्षमता के साथ लगाई जा सकेंगी, पर कोरोना नियंत्रण को लेकर जारी दिशा-निर्देशों का पालन कड़ाई से करना होगा। शिक्षक, स्कूल के अन्य कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों को मास्क लगाना अनिवार्य होगा। वहीं विद्यार्थियों से कक्षाओं में शारीरिक दूरी के नियम का भी पालन कराया जाएगा।नियमों का पालन कड़ाई से कराने की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की रहेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण बढ़ने पर राज्य सरकार ने दिसंबर 2021 से 50 प्रतिशत क्षमता के साथ स्कूल खोलने के निर्देश जारी किए थे। जनवरी 2022 में संक्रमण दर ज्यादा रही। इसलिए 15 से 31 जनवरी तक स्कूल बंद रखे गए। एक फरवरी से फिर 50 प्रतिशत क्षमता के साथ स्कूल खोले जा रहे थे। अब संक्रमण नियंत्रण में है। इस कारण गृह विभाग ने शुक्रवार को ही नाइट कर्फ्यू छोड़कर सभी तरह के कोरोना प्रतिबंध हटाने का आदेश जारी किया है।

ठंड से मिलेगी कुछ राहत, भोपाल में चली शीतलहर

भोपाल । हवाओं का रुख उत्तरी से उत्तर-पूर्व एवं पूर्वी होने लगा है। इससे तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक रविवार को एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में प्रवेश करेगा। इसके असर से मंगलवार तक तापमान बढेगा। इसके बाद एक बार फिर दिन-रात के तापमान में कुछ गिरावट होने लगेगी।मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि शनिवार को सबसे कम पांच डिग्री सेल्सियस तापमान उमरिया, खजुराहो एवं नौगांव में दर्ज किया गया। भोपाल, रीवा, उमरिया, छिंदवाड़ा, मंडला, मलाजखंड, खजुराहो, बैतूल, धार, खंडवा एवं रतलाम में शीत लहर का प्रभाव रहा। साहा ने बताया कि गुरुवार दोपहर से हवा का रुख पूर्वी हो गया था, जिसके चलते प्रदेश के अधिकतर जिलों में अधिकतम तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी क्रम में राजधानी का अधिकतम तापमान 26.3 डिग्रीसे. रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री से. कम रहा। यह शुक्रवार के अधिकतम तापमान 22.9 डिग्री से. की तुलना में 3.4 डिग्री से. अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री से. दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री से. कम रहा। लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी राजधानी शीतलहर की चपेट में रही। साहा ने बताया कि शाम के समय हवा का रुख फिर उत्तर-पूर्वी होने लगता है। इस वजह से रविवार से रात के तापमान में मामूली बढ़त होने के आसार हैं।

आज आएगा पश्चिमी विक्षोभ

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि रविवार को एक कमजोर आवृत्ति वाला पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में प्रवेश करेगा। इसके असर से हवाओं का रुख बदलेगा। इससे रविवार से दिन तापमान बढ़ने लगेगा। तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला 15 फरवरी तक बना रह सकता है। उसके बाद तापमान में गिरावट होने लगेगी।

...तो अंग्रेजी में कहलाएगा हबीबगंज?

हिंदी में तो हो गया रानी कमलापति, लेकिन अंग्रेजी में अभी भी हबीबगंज

भोपाल । शहर के होशंगाबाद रोड क्षेत्र में लगे दिशा सूचक बोर्ड पर एक रेलवे स्टेशन के दो नाम लिखे हुए हैं। स्टेशन का नाम हिंदी में रानी कमलापति लिखा हुआ है तो अंग्रेजी में पुराना नाम हबीबगंज ही लिखा है। शहर के अन्य हिस्सों में लगे दिशा-सूचक बोर्डों पर भी यही गड़बड़ी है। इसकी वजह से आम यात्रियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।दरअसल, 14 नवंबर 2021 को स्टेशन के नाम को बदलकर हबीबगंज से रानी कमलापति कर दिया गया था। इसे ढाई माह से अधिक का समय हो चुका है। इस अवधि में शहर के चौक-चौराहों पर लगे दिशा सूचक बोर्डों से पुराना नाम नहीं हटाया गया। जब नवदुनिया ने इस मुद्दे पर खबरें प्रकाशित करनी शुरू की तो संबंधित विभागों ने पुराने नाम को हटाकर नया नाम लिखना शुरू किया है लेकिन इसमें भी गड़बड़ी की जा रही है। बोर्डों पर स्टेशन का नाम दो भाषा हिंदी व अंग्रेजी में लिखा हुआ है। हिंदी भाषा में लिखे स्टेशन के पुराने नाम को हटाकर नया नाम रानी कमलापति लिखा जा रहा है लेकिन अंग्रेजी में लिखे पुराने नाम हबीबगंज को अब भी नहीं बदला जा रहा है। जिसकी वजह से एक ही बोर्ड पर स्टेशन का नाम हिंदी और अंग्रेजी में अलग-अलग दिखाई दे रहा है। ऐसे बोर्ड रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पुराने निर्माण भवन के समीप मुख्य सड़क पर भी लगे हुए हैं।

इन विभागों के लगे हैं बोर्ड

शहर में नगर निगम, राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए), पीडब्ल्यूडी और स्मार्ट सिटी ने दिशा सूचक बोर्ड लगाए हैं। इन पर शहर के प्रमुख स्टेशन व इलाकों के नाम हैं और उनके बाजू में दिशा-सूचक चिन्ह बने हुए हैं। ये दिशा सूचक चिन्ह राहगीरों को संबंधित स्टेशन व इलाकों तक पहुंचने में मदद करते हैं।

निगम का दावा, हमने दोनों भाषा में बदले नाम

नगर निगम के आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी का कहना है कि जैसे ही उनके संज्ञान में यह बात आई कि बोर्डों पर स्टेशन का पुराना नाम ही लिखा है तो निगम ने एक टीम बनाकर दोनों भाषा में लिखे पुराने नाम को हटा दिया है। लोक निर्माण विभाग के ईएनसी नरेंद्र कुमार का कहना है कि उनके बोर्डों से भी नाम बदलने की कार्रवाई की जा रही है।

इधर, बिजली कंपनी के रिकार्ड में अभी भी स्टेशन का नाम हबीबगंज

राजधानी में संचालित होने वाले कुछ विभाग अभी भी लिखा-पढ़ी में स्टेशन के पुराने नाम का ही उपयोग कर रहे हैं। मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी ने शुक्रवार बिजली कटौती की योजना जारी की है, जिसमें स्टेशन के पुराने नाम हबीबगंज का ही जिक्र किया है।

अप्रैल से रजिस्ट्री होते ही पूरी हो जाएगी नामांतरण की प्रक्रिया

मुख्यमंत्री ने दिए थे निर्देश नामांतरण की प्रक्रिया को करें आनलाइन

भोपाल। अब अविवादित जमीनों के नामांतरण के लिए प्रदेश के लोगों को रजिस्ट्रियां लेकर तहसील दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने होंगे। ई-रजिस्ट्री होते ही नामांतरण की प्रक्रिया आनलाइन शुरू हो जाएगी। यदि जमीन की रजिस्ट्री को लेकर किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी तो जमीन खरीदने वाले के नाम पर 30 दिन के भीतर जमीन का नामांतरण हो जाएगा तथा खसरा रिकार्ड में भी भूमि स्वामी का नाम आटोमेटिक दर्ज हो जाएगा। बैरसिया तहसील में यह प्रक्रिया पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई थी अब इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है। इसके लिए आरसीएमएस पोर्टल को इ-संपदा साफ्टवेयर के साथ लिंक किया जा रहा है। वहीं ई-नगर पालिका से भी इसका इंटीग्रेशन किया जा रहा है। इसके बाद अप्रैल महिने में नामांतरण के लिए किसी को तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं काटने होंगे।

आरसीएमएस 4.0 पर चल रहा है काम

पीआरसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरसीएमएस के 4.0 पर काम चल रहा है। इसके लिए सर्वर को और अधिक सुदृढ बनाया जा रहा हैं। वहीं ई-नगर पालिका सहित अन्य साफ्टवेयर से इसे इंटीग्रेट भी करवाया जाएगा। इसके बाद आम जनता को भी और अधिक सुविधाएं आसानी से मिल सकेगी।

तीन दिन में पटवारी को देनी होगी रिपोर्ट - जमीन निजी है या सरकारी

ई-रजिस्ट्री होने के बाद से नामांतरण की प्रक्रिया के लिए अधिकतम एक माह का समय रखा गया है। ई-रजिस्ट्री होते ही उसकी एक कापी ऑनलाइन सीधे ही संबंधित हल्के के पटवारी के पास पहुंचेगी तथा जमीन खरीदकर ई-रजिस्ट्री कराने वाले व्यक्ति के पास इसका एसएमएस भी पहुंचेगा। पटवारी के पास इस रजिस्ट्री की जांच करके ऑनलाइन रिपोर्ट देने के लिए तीन दिन का समय होगा। इस समयसीमा में उसे यह जांचकर बताना होगा कि जिस जमीन की रजिस्ट्री हुई है वह जमीन सरकारी है या निजी। यदि जमीन निजी होगी तभी पंचायत सचिव आगे की प्रक्रिया करते हुए जमीन के विवादित या अविवादित होने का पता लगाने के लिए अखबार में इश्तेहार देगा, जिसमें आपत्ति के लिए 15 दिन की समयसीमा दी जाएगी। यदि आपत्ति नहीं आएगी तो सचिव ऑनलाइन नामांतरण की प्रक्रिया को पूरा कर देगा और पटवारी को निर्धारित समयसीमा में नामांतरण के आधार पर खसरा रिकार्ड में नए भूमि स्वामी के नाम जमीन दर्ज करनी होगी।

जमीन विवादित निकली तो तहसीलदार के पास जाएगा प्रकरण

यदि रजिस्ट्री कराई गई जमीन विवादित निकलती है तो प्रकरण सचिव द्वारा सीधे तहसीलदार को भेज दिया जाएगा, ताकि वे उसकी सुनवाई कर निराकृत कर सकें। इसके लिए प्रकरण की समयसीमा निर्धारित नहीं है। जैसे ही प्रकरण तहसीलदार के पास पहुंचेगा, एसएमएस से भूमि स्वामी व खरीददार को इसकी जानकारी एसएमएस से पहुंच जाएगी, ताकि वे पेशियों पर पहुंच सकेंगे।

आरसीएमएस 4.0 पर काम चल रहा है। इसके बाद रजिस्ट्री कराने के बाद आनलाइन नामांतरण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। वहीं अन्य सुविधाएं भी मिलेगी। अप्रैल से यह सुविधा प्रदेशभर में लागू की जाएगी। इसकी तैयारियां चल रही हैं।
संजय गोयल, प्रमुख राजस्व आयुक्त, मप्र

मप्र बोर्ड के विद्यार्थी 1960 से 1970 तक के अंकसूची में करा लें सुधार

नहीं तो माशिम दस्तावेजों को कर देगा नष्ट

भोपाल । मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थी 1960 से 1970 तक की अंकसूची में सुधार करा लें, नहीं तो मंडल इन दस वर्षों के दस्तावेजों को विनिष्ट कर देगा। इसके लिए आफलाइन आवेदन करना होगा, लेकिन इसमें जन्मतिथि में कोई सुधार नहीं होगा। इसके लिए मंडल ने तीन माह का समय दिया है। वहीं मंडल के पास 1960 से 2002 तक के दस्तावेजों के रिकार्ड आनलाइन नहीं किए गए हैं। 2003 से 2022 तक के सभी रिकार्ड और दस्तावेज आनलाइन है। इस कारण मंडल पुराने दस्तावेजों में विद्यार्थियों को सुधार करवाने का मौका दिया है, क्योंकि कागजों के पुराने दस्तावेज खराब हो रहे हैं। मंडल जल्द ही सभी वर्षों के दस्तावेजों को आनलाइन कर देगा। मंडल ने दिए गए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंडल द्वारा जारी निर्देश में यह कहा है कि 1960 से 1970 तक के दस्तावेजों में त्रुटि सुधार के लिए विद्यार्थियों को आफलाइन आवेदन मंडल में जमा करना होगा, लेकिन इसमें जन्मतिथि में सुधार नहीं होगा। इसके अलावा नाम सहित अन्य चीजों में सुधार हो जाएगा। इसके लिए विद्यार्थी आफलाइन आवेदन मार्च तक जमा करेंगे। वहीं 1971 से 2002 तक के दस्तावेजों में त्रुटि सुधार के लिए भी विद्यार्थियों को आफलाइन आवेदन करना होगा। 2002 से 2022 तक के दस्तावेजों में सुधार के लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए अप्रैल तक का समय दिया गया है। माशिम में विद्यार्थियों द्वारा इस संबंध में जानकारी लेना शुरू कर दिया है।

कृषि विश्वविद्यालयों में अब जैविक खेती होगी, पाठ्यक्रम में भी रहेगी

भोपाल। केंद्र और राज्य सरकार ने इस साल प्रदेश में 99 हजार हेक्टेयर में जैविक खेती का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने में प्रदेश के दोनों कृषि विश्वविद्यालय (जबलपुर एवं ग्वालियर) सरकार का सहयोग करेंगे। इन विश्वविद्यालयों में 25-25 हेक्टेयर भूमि जैविक खेती के लिए आरक्षित की गई है। सरकार का मानना है कि इससे मध्य प्रदेश में खेती के क्षेत्र में बदलाव आएगा। जैविक खेती के विषय को कृषि पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा। जैविक खेती के मामले में मध्य प्रदेश देश में पहले नंबर पर है। वर्तमान में प्रदेश में 17.31 लाख हेक्टेयर जमीन पर जैविक खेती की जा रही है। यह देश में की जा रही कुल जैविक खेती का 40 प्रतिशत से भी ज्यादा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैविक खेती को बढ़ावा देने की अपील कर चुके हैं। इसलिए राज्य सरकार रकबे में लगातार वृद्धि की कोशिश कर रही है। कृषि विश्वविद्यालयों में जैविक खेती कराने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। इन विश्वविद्यालयों से 25-25 हेक्टेयर कृषि भूमि संबद्ध है। जिस पर अभी तक रासायनिक खाद का उपयोग कर फसल उगाई जाती थी, पर अब ऐसा नहीं होगा। इन क्षेत्रों में किसानों को लाकर जैविक खेती का प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। सरकार ने तय किया है कि ये विश्वविद्यालय जैविक खेती कर किसानों के सामने अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करेंगे, ताकि किसान भी जैविक खेती के लिए प्रेरित हों। जैविक खेती के दौरान विश्वविद्यालय नए प्रयोग भी करेंगे। जिसमें जैविक खाद की मदद से पैदावार बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से आठ और राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर से पांच कृषि महाविद्यालय संबद्ध हैं। जिन महाविद्यालयों से कृषि भूमि संबद्ध है, उनमें भी जैविक खेती पर काम किया जाएगा

जंगली हाथी हैं समस्या

भोपाल। 14 साल पहले वर्ष 2008 में छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश में मेहमान बनकर घुसे जंगली हाथी अब राज्य के लिए बड़ी समस्या बन चुके हैं। प्रदेश की सीमा में प्रवेश के उन्होंने चार रास्ते ढूंढ़ निकाल लिए हैं। इससे उन्हें रोक पाना अब नामुमकिन-सा हो गया है। खतरा प्रदेश के हृदयस्थल नरसिंहपुर, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) और रायसेन जिलों के किसानों को है। राज्य के भीतर 513 किलोमीटर का सफर तय कर नरसिंहपुर पहुंचे दो हाथी जिले में चार महीने से उत्पात मचा रहे हैं। वन अधिकारियों को डर है कि इस रास्ते पर दूसरे हाथी भी चल पड़े तो स्थिति चिंताजनक हो जाएगी। खासकर इसलिए कि इन जिलों में उनके लिए लजीज और रसीला भोजन %गन्ना% जो है।

बैरागढ़ सिविल अस्पताल में मेटरनिटी विंग बनेगा

संत हिरदाराम नगर । संत हिरदाराम नगर के सिविल अस्पताल में जल्द ही नया मेटरनिटी विंग बनेगा इसके निर्माण पर करीब 12 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री डा; प्रभुराम चौधरी और स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने शनिवार को इसके लिए भूमि पूजन किया। निर्माण कार्य लगभग दो साल में पूरा करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में सिविल अस्पताल बैरागढ़ 100 बिस्तर क्षमता से संचालित हो रहा है। क्षेत्र की बड़ी आबादी की आवश्यकता को देखते हुए अस्पताल में 120 बिस्तर का मेटरनिटी विंग स्थापित की जानी है। जिससे गर्भवती महिलाओं को प्रसूति सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। नवीन विंग निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से जारी की है। निर्माण कार्य पर करीब 12 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। निर्माण कार्य पूरा करने की अवधि 24 माह निर्धारित है।

कलेक्टर पहुंचे डंगहा- टोला, कलेक्टर ने दिये समस्याओं के निराकरण के निर्देश

ग्राम चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों से जानी उनकी समस्यायें

नरसिंहपुर यभाप्र। *कलेक्टर रोहित सिंह शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिले की जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत चांदनखेड़ा के ग्राम डंगहा-टोला पहुंचे। यहां उन्होंने ग्राम चौपाल में ग्रामीणों से रूबरू चर्चा कर उनकी समस्यायें जानी और निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ मिलने और इसमें आने वाली दिक्कतों और स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास, बिजली, पीने के पानी, हैंडपंप, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा-वृद्धावस्था पेंशन, स्वास्थ्य और अन्य समस्याओं से संबंधित जानकारी ली।*

कलेक्टर ने यहां घर-घर जाकर शासकीय योजनाओं व सेवाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव एवं जीआरएस को सर्वे कर जरूरतमंदों को लाभ दिलाने की हिदायत दी। कलेक्टर श्री सिंह ने यहां के ट्राइबल एरिया की 5 ग्राम पंचायतों में जनसमस्या निवारण शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निदान करने और मुहिम चलाकर योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिये। डंगहा-टोला की ग्राम चौपाल में लोगों ने अपनी समस्यायें कलेक्टर को बताई। ग्रामवासियों ने डंगहा से सेसाडाबर तक सुदूर सड़क बनवाने, ठाकुर वार्ड में हैंडपंप की समस्या, स्कूल में बरसात का पानी भरने, नाली निर्माण व बाउंड्रीवाल बनवाने, हीरापुर से डंगहा तक की तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण कराने, ऊंची सड़क होने से पानी भरने, सोकपिट बनवाने, पशु चिकित्सालय की सुविधा दिलाने, मंगल सामुदायिक भवन बनवाने, डीपी रखवाने, शौचालय बनवाने, डंगहा में मिले कम राशन आदि से संबंधित समस्यायें बताई। इस पर कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने मनरेगा से फिलिंग कराकर स्कूल में पानी भरने की समस्या दूर करने के निर्देश दिये। तालाब निर्माण का कार्य शुरू कर जरूरतमंद श्रमिकों को काम दिलाने की बात भी कही गई। लोगों ने बीपीएल कार्ड बनवाने, शौचालय बनवाने, आधार कार्ड बनवाने, सर्पदंश मृत्यु पर राहत दिलाने, स्कूल जाने के लिए साईकिल दिलाने की बात कही। इस संबंध में अधिकारियों को कलेक्टर ने आवश्यक निर्देश दिये। बुजुर्ग मोहन लाल मेहरा ने कान की मशीन दिलाने की मांग पर कलेक्टर ने उप संचालक सामाजिक न्याय को निर्देशित किया। सरपंच की शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने सरपंच के विरूद्ध पुन: जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यो का निरीक्षण

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम डंगहा में जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने नल कनेक्शन में सुधार कार्य कराकर अच्छे से बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने 22 फरवरी के पहले सुधार कार्य कराने की हिदायत दी। कलेक्टर ने सोकपिट का निर्माण तत्काल कराने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी में बच्चों से की बात

कलेक्टर श्री सिंह ने यहां आंगनबाड़ी पहुंचकर बच्चों से बात की। उन्होंने बच्चों से आंगनबाड़ी आने, पोषण आहार मिलने, पढ़ाई के बारे में और अन्य जानकारी ली। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, डीएफओ पीडी गेब्रियल, एसडीएम सुश्री सृष्टि जयंत देशमुख अन्य अधिकारी और मैदानी अमला मौजूद था।

कलेक्टर द्वारा चौगान किला का भ्रमण

कलेक्टर रोहित सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर सघन वन के बीच ऊंचे पहाड़ पर बने चौगान के किले का शुक्रवार को भ्रमण किया। श्री सिंह ने तालाब, मंदिर, महल, किला आदि के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया। उन्होंने यहां पर्यटन की संभावनाओं पर विचार किया और विकास कार्य कराने में एनटीपीसी का सहयोग लेने की बात कही। भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, डीएफओ पीडी गेब्रियल, एसडीएम सुश्री सृष्टि जयंत देशमुख अन्य अधिकारी और मैदानी अमला मौजूद था।

यहां कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्यायें जानी। उन्होंने लघु वनोपज आचार की गुठली-चिरोंजी आदि के विक्रय के संबंध में बात की। ग्रामीणों ने चौगान किला पर गौड़ी रीतिरिवाज से भजन-पूजन करने के लिए भवन बनवाने, प्रकाश व्यवस्था कराने, बर्तन आदि दिलाने, प्रेमपुर के ग्रामवासियों को पेयजल की उपलब्धता के लिए पाइप लाइन लगवाने आदि के लिए कलेक्टर को आवेदन दिये। इस संबंध में कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई

के लिए निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि कभी राजगौड़ वंश की समृद्धि और वैभव का प्रतीक रहे इस चौरागढ़ चौगान के किले के अब भग्नावशेष दिखते हैं। इतिहास के मुताबिक चौदहवीं शताब्दी के अंतिम वर्षो में गढ़ा कटंगा में राजगौड़ वंश की नींव डाली गई। इसी राजवंश के प्रसिद्ध शासक संग्राम शाह 1400- 1541 ईस्वी ने 52 गढ़ स्थापित कर अपने साम्राज्य को सुदृढ़ बनाया था। नरसिंहपुर जिले में चौरागढ़ या चौगान किला का निर्माण भी उन्होंने ही कराया था, जो रानी दुर्गावती के पुत्र वीरनारायण की वीरता का मूक साक्षी है। कहा जाता है कि यह किला राजगौड़ों के 52 गढ़ों का कोषालय था। जिसकी वजह से दुश्मन राजाओं की नजर इस पर रहती थी।

महाविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिनों तेंदूखेड़ा के शासकीय महाविद्यालय में पूर्व में अध्ययन रत रहे छात्र छात्राओं का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित अतिथी विद्वानों ने कहा कि छात्र जब शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात आगे जाकर कोई प्रशासनिक सेवाओं में या फिर स्वरोजगार में आगे बढ़ता है। हार्दिक प्रसन्नता होती है। शिक्षा ग्रहण करने का भी यही उद्देश्य हुआ करता है कि हम अपने आचरण व्यवहार में अनुशासन का पालन करते हुए समाज में आदर्श प्रस्तुत करें। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अपर्णा चौवे प्रध्यापक डा, पंकज अग्रवाल बीडी विश्वकर्मा रशिम तिवारी मनीषा वर्मा दीपेश ठाकुर आदर्श चौधरी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कांमना की गई। कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका लोकेश जाटव साकेत लखेरा असफाक हुसैन नीतेश विश्वकर्मा कृष्ण कुमार महिमा चौवे रश्मि प्रजापति खुशबू राजपूत रीना सेन दीपिका सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्रायें उपस्थित थे।

इरपाची गये विनोद अग्रवाल को मंडी सचिव का प्रभार

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिनों तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी में पदस्थत हरिदास इरपाची प्रभारी मंडी सचिव कर प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण छिंदवाड़ा हो जाने के उपरांत उनके स्थापन पर विपणन एवं निरीक्षण निदशालय लखनऊ अग्रवाल आगामी आदेश तक को मंडी सचिव का प्रभार सौंपा गया है।

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित हैं विभिन्न कल्याणकारी योजनायें

नरसिंहपुर यभाप्र। केन्द्र एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनायें संचालित की जा रही हैं। यह जानकारी जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण नरसिंहपुर ने दी है। जिला संयोजक ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए अनुसूचित जाति बस्ती विकास योजना के तहत जिन ग्रामों में अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्तियों की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक है, उनमें जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव मंगाकर प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से सीसी रोड, नाली, मंगल सामुदायिक भवन, चबूतरा आदि के निर्माण कार्य कराये जाते हैं। अनुसूचित जाति पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज और राज्य शासन द्वारा संचालित कला वाणिज्य व विज्ञान कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों को राज्य शासन द्वारा स्वीकृत दर पर ट्यूशन फीस, परीक्षा फीस, स्कालरशिप के अंतर्गत दी जाती है। साथ ही अन्य राज्यों के कॉलेजों में अध्ययनरत जिले के छात्रों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदाय की जाती है। अनुसूचित जाति आवास सहायता योजना के तहत किराये के भवन में रहकर कॉलेज में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को जिला स्तर पर 1250 रूपये व तहसील स्तर पर एक हजार रूपये की राशि आवास सहायता के रूप में प्रदान की जाती है। अनुसूचित जाति छात्रावास शिष्यवृत्ति योजना के तहत कक्षा 6 वीं से स्नातकोत्तर तक के अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रावास में प्रवेश लेने पर शिष्यवृत्ति के भुगतान के साथ आवास और दोनों समय नि: शुल्क भोजन व नाश्ता उपलब्ध कराया जाता है। आदर्श ग्राम पंचायत योजना के तहत अस्पृश्यता निवारण की दिशा में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली ग्राम पंचायत को एक लाख रूपये एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। इसका चयन जिला स्तरीय चयन समिति करती है।

अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत यदि अनुसूचित जाति वर्ग का पुरूष या महिला किसी सवर्ण वर्ग की महिला या पुरूष से विवाह करता है, तो उसे दो लाख रूपये एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। अनुसूचित जाति सिविल सेवा प्रोत्साह योजना के तहत मध्यप्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली प्रारंभिक मुख्य परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर पहली बार पूर्ण एवं दूसरी वार में आधी राशि 20 हजार रूपये से 50 हजार रूपये तक की दी जाती है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत स्मार्ट सिटी के समान ग्रामों को आदर्श बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अनुसूचित जाति बाहुल्य वाले ग्रामों का चयन किया जाता है। इन ग्रामों में बिजली, स्ट्रीट लाईट, पानी, नाली, सड़क, आंगनबाड़ी, स्कूल, संचार आदि सुविधायें मुहैया कराई जाती हैं और ग्राम को बाह्य शौच मुक्त बनाने के लिए शासन से विशेष आवंटन दिया जाता है। नरसिंहपुर जिले में इस योजना में 6 ग्रामों का चयन किया गया है। अनुसूचित जाति अत्याचार अधिनियम 1989 के तहत राहत योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्ति पर यदि कोई सवर्ण जाति का व्यक्ति अत्याचार करता हैए तो शासन के नियमानुसार अनुसूचित जाति वर्ग के पीड़ित व्यक्ति को बैंक खाते में राहत राशि का ऑनलाइन भुगतान किया जाता है। अत्याचार में जातिगत अपमान, मारपीट, हत्या, बलात्कार आदि शामिल हैं।

कृषि क्षेत्र में नवाचार करने के लिए जाने जाते हैं कृषक श्री दुबे

नरसिंहपुर यभाप्र। खेती को लाभदायक बनाने के लिए जिले की करेली तहसील के ग्राम करताज के प्रगतिशील कृषक राकेश दुबे ने जैविक खेती अपनाई और अनेक नवाचार किये। वे कृषि क्षेत्र में नवाचार करने के लिए जाने जाते हैं। देश के विभिन्न संस्थानों से करीब 6 हजार किसान और कृषि शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी उनके कृषि प्रक्षेत्र का भ्रमण कर चुके हैं। कृषक श्री दुबे जैविक खेती अपनाने का कारण उत्पादक सामग्री का सदुपयोग, उपज का मूल्य संवर्धन एवं समुचित कचरा प्रबंधन बताते हैं। वे कहते हैं कि इससे खेती में लगने वाली लागत न्यूनतम और लाभांश दोगुना हो जाता है। श्री दुबे बताते हैं कि गन्ने के साथ अंतरवर्तीय फसल लगाकर स्वयं के संसाधनों से गन्ने की खेती कर वे प्रति एकड़ 2 से ढाई लाख रूपये तक का शुद्ध लाभ ले रहे हैं। कृषक श्री दुबे बताते हैं कि खेती में हानिकारक कीटनाशक, खरपतवारनाशी एवं रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के दुष्परिणाम को रोकने के लिए उन्होंने सबसे पहले मध्यप्रदेश स्टेट आर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी एमपीएसओसी के मार्गदर्शन में खेत की जमीन का जैवीकरण कर 16 हेक्टर जमीन को पूरी तरह प्रमाणित जैविक प्रक्षेत्र में तब्दील किया। वे इस जमीन पर गन्ना के साथ- साथ गेहूं, चना, अरहर, मूंग, उड़द, मैथी, अलसी, राजमा, धना, मक्का, ज्वार, आलू, प्याज, लहसुन, अदरक आदि का उत्पादन लेते हैं। इसके साथ कृषि वानिकी के तहत खेत की मेढ़ों पर 20 हजार खमेर के पेड़ भी लगाये हैं। गन्ना खेती में बीज संवर्धन में नवाचार करते हुए श्री दुबे ने एसटीपी व एसबीटी पद्धतियों का आविष्कार किया। सेट ट्रांसप्लांटिंग एसटीपी के तहत गन्ना बीज पौधशाला तैयार कर 45 दिनों में खेत में पुन: रोपण किया, इससे लगने वाले बीजों की मात्रा 45 क्विंटल से घटकर दो क्विंटल रह गई।

कैंपस ड्राइव में 17 प्रतियोगियों का हुआ चयन

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिनों शासकीय आई टी आई तेंदूखेड़ा में यशस्वी ग्रुप जबलपुर द्वारा वोल्वो आयशर पीथमपुर एवं बालाजी वेफर्स इन्दौर के लिए कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें 40 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया, जिसमें 17 प्रतिभागी द्वितीय चरण हेतु चयन किए गए द्वितीय चरण हेतु प्रतिभागियों को पीथमपुर बुलाया गया है। जिसमे चयन उपरांत प्रतिभागियों को ज्वाइनिंग लेटर प्रदान किए जायेंगे। यशस्वी ग्रुप जबलपुर के विशाल कोल एवं दीपक गुप्ता द्वारा प्रतिभागियों का प्रथम चरण हेतु साक्षात्कार लिया गया, इसमें संस्था प्राचार्य शैलेश कोल एवं टी पी ओ अभय कुमार सोनी के निर्देशन में दीप नारायण सिंगरहा, पुष्पराज पटेल परसराम ठाकुर, संतोष कुमार विश्वकर्मा एवं प्यारेलाल कोल का विशेष योगदान रहा।

जल संरक्षण को लेकर सामूहिक प्रयासों की जरूरत

तेंदूखेड़ा यभाप्र। जिस पानी को लेकर तेंदूखेड़ा के वासियों ने जो त्रासदी भोगी है वह भले ही नर्मदा जल आने के बाद लगभग समाप्त हो गई है लेकिन हम इस पानी की वर्वादी को जिस तरह से कर रहे हैं वह भविष्य में हमारे ही पांव पर कुल्हाड़ी पटकने कहावत को चरितार्थ करने जैसी सावित हो सकती है। पानी का दोहन तो खूब करते हैं केवल जल स्रोतों से पानी प्राप्त तो कर रहे हैं लेकिन उनमें पानी बढ़ाने हम क्या प्रयास कर रहे हैं। यह विचार करने का विषय है।

सड़कों पर बहता है हजारों लीटर व्यर्थ पानी

नर्मदा जल आते ही नगर के विभिन्न वार्डों में जहां सड़कों पर व्यर्थ पानी बहता हुआ देखा जाता है वहीं लोग अपनी सुविधा और मनमानी के चलते बीच सड़कों पर बाहन रखकर धुलते हुए नजर आते हैं। निश्चित तौर पर यह वर्वादी उन वार्डों के साथ वेमानी कही जायेगी जहां अभी भी पानी नहीं पहुंच रहा है। पानी को लेकर लड़ाई झगडे होते है। और किसी भी तरह निस्तार से लेकर पीने का पानी जुटा पाते हैं। बगैर टोंटी लगे सार्वजनिक स्टेंडपोसो की सुध भी नहीं ली जाती और टोंटी लगा भी दी जाती है तो उपयोग करने वाले तोड़ देते हैं। स्थानीय प्रशासन भी यहां अक्षम सा दिखाई देता है जो कार्यवाही ही नहीं कर पाता है।

पुराने जल स्त्रोतों को सहेजने की जरूरत

नगर के सरकारी रिकॉर्ड में दो बड़े तालाब 13 पक्के जल स्त्रोत 17 कुये हैं लेकिन आज की स्थिति यह बनी हुई है इनमें आधे से अधिक कचड़ा घर और कुछ पर आलीशान भवन बन गये अंगुलियों पर गिनने लायक कुछ जल स्त्रोत अपने अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड रहे हैं। नगर के विभिन्न हिस्सों में झरनों कुंडों बहरों और कुओं को सही तरीके से सहेज ही नहीं पाये। चूंकि इस व्यवस्था में केवल स्थानीय प्रशासन की जबाबदेही ही थोपी जा सकती बल्कि स्थानीय वाशिंदों की भूमिका भी विचारणीय है जो जल स्त्रोत पर कब्जा और कचड़ा दान मानकर इनमें घरों का कचड़ा डाल कर अस्तित्व ही समाप्त कर दिया। सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। शेष बचे जल स्त्रोतों को सहेजने की दिशा में यदि मिल कर प्रयास करेंगे तो वहुत से जल स्त्रोतों में पानी भर कर जमीनी जल स्तर बढ़ा सकते हैं।

बाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जरूरत

आज नगर में निजी क्षेत्र के और शासकीय भवनों का निर्माण किया जा रहा है। आवश्यक होने के बावजूद भी हार्वेस्टिंग सिस्टम किसी भी भवन में देखने नहीं मिलती प्रत्येक भवन में यदि यह व्यवस्था लागू हो जाती है तो वर्षागत जल इस व्यवस्था के माध्यम से सीधे जमीन में जाकर जमीनी जल स्तर को बढ़ावा देगा एवं निजी हेंडपंपों का जल स्तर भी बढ़ेगा ही। पक्के बनते सड़क मार्गों के कारण बरसात का पानी सीधा बह जाता है। जमीन के भीतर पहुंच ही नहीं पाता है।ऐसी स्थिति में यह स्टिम काफी जरूरी है।

पुराने जल स्त्रोत सहेजने सीएमओ ने शुरू की मुहिम

पुराने जल स्त्रोतों को सहेजने और जल संरक्षण की दिशा में नगर परिषद् के सीएमओ श्रीकांत पाटर ने इस मुहिम को चलाने की शुरुआत की है अब देखना यह है कि इसमें कितने कारगार साबित हो सकतें इस मुहिम को जन अभियान बनाना होगा सभी वर्गो के सहयोग से कामयाब हो सकतें हैं। पिछले दिनों वार्ड क्रमांक 14 के भोंरपानी से एक बहर से शुरू किए इस अभियान के तहत जिन स्त्रोतों से पानी प्राप्त किया जा सकता है या फिर उनमें पानी भरने से जमीनी जल स्तर बढ़ाया जा सकता है वहां ज्यादा जोर दिया जा रहा है।

घोघरा नाला निर्माण से बढ़ सकता है पानी

सागौनी और तेंदूखेड़ा के बीच बहनें बाले घोघरा नाला जो अपने अस्तित्व को बचाने से लेकर निर्माण के लिए स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के मुंह ताक रहा है। अनेकों बार इसके सौन्दर्यीकरण की योजनाएं बनाई गई लेकिन वे केवल कागजी पुलिंदा ही साबित हुई।इस नाले को ऊपर रामघाट से लेकर नीचे पुजारी मुहल्ला तक व्यवस्तिथ तरीके से बनाया जाता है तो निश्चित तौर पर वरसात के दिनों में सागौनी के लोगों को आने जाने की जो समस्या बनती है उससे निजात मिल जाएगा वहीं इसमें पानी रहने से हेंडपंपों का जल स्तर बढ़ जायेगा और लोगों का निस्तार भी हो जायेगा।

इनका कहना है

पुराने जल स्त्रोतों को देख कर साफ-सफाई करवा कर उचित उपयोग, बरसाती पानी सहेजने प्रयास कर रहे हैं लेकिन जनसहयोग के कुछ भी संभव नहीं है लोग इन्हीं जल स्त्रोतों में कचड़ा डाल कर गंदा बना रहे हैं।

श्रीकांत पाटर-मुख्य नपा अधिकारी, तेंदूखेड़ा

बेलखाडू ब्लॉक कांग्रेस का घर चलो- घर घर चलो अभियान

कुंडम। बेलखाडू ब्लॉककांग्रेस अध्यक्ष मनीष पटेल जी के नेतृत्व में ग्राम उर्दुआ कला में मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माननीय कमलनाथ जी के निर्देशानुसारकांग्रेस के ÷घर चलो-घर घर चलो अभियान÷ की शुरुआत की गई।और कांग्रेस की सदस्यता सैकड़ों लोगों को करवाई गई।जिसमे मध्य प्रदेश कांग्रेसके महामंत्री सम्मति सैनी जी, पूर्व मंत्री कोसल्या गोंटिया जी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष पटेल , मुकेश सोनी, जोगेन्द्र पटेल, किशन पटेल, विवेक पटेल, विनोद पटेल, रामकृपाल पटेल, वीरेंद्र पटेल, धर्मेंद्र पटेल, बबलू यादव, गुरुशरण पटेल, कमलेश पटेल, मोहन लाल पटेल, कृष्ण कुमार पटेल, ऋषि पटेल, अमन पटेल, भूरे लाल पटेल, पप्पू पटेल, दीपचंद पटेल, पवन पटेल, नरेश पटेल, अभिमन्यु पटेल, सतेंद्र पटेल, अमरजीत पटेल और सैंकड़ों ग्राम वासी उपस्थित रहे।

बेल खाडू में श्रीराम महायज्ञ का आयोजन

बेल खाडू /कटंगी रोड बेलखाडू रामबाग मे हर वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी बसंत पंचमी के पावन पर्व पर कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुए 39 वां श्रीराम महायज्ञ का आयोजन चल रहा है जिसमें बेलखाडू व आसपास के श्रद्धालु भक्तजन यज्ञ स्थल पहुंचकर यज्ञ भगवान का पूजन अर्चन कर यज्ञ भगवान की परिक्रमा कर रहे हैं व काशी बनारस से आए कथा व्यास श्री कृष्ण कुमार पांडेय जी महाराज के द्वारा कल शिव विवाह की कथा का वर्णन किया गया जिसे श्रद्धालु भक्तजन श्रवण कर भावविभोर हो गये। यज्ञ आयोजक आचार्य राम कृष्ण शास्त्री ने बताया की यज्ञ का आयोजन बसंत पंचमी 5 फरवरी से शुरू हुआ है

जो 16 फरवरी तक चलेगा जिसमें आप सभी श्रद्धालु भक्तजन यज्ञ स्थल पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

निर्माण कार्यो में जमकर हेराफेरी

कुंडम। जनपद पंचायत कुंडम के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदुली कला जो कुंडम से मात्र 30 किलोमीटर दूर है वहां पर शासन की राशि की खुलेआम होली खेली जा रही है वर्ष 2015 से 2021 तक के निर्माण कार्यों में जमकर हेरा-फेरी की गई है सरपंच पति एवं सचिव वीर सिंह के द्वारा सरेआम नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए सिर्फ कागजों में ही कार्य किया गया है मौके पर कुछ नहीं है ग्राम पंचायत हरदुली निवासी श्याम बिहारी वरकडे, शाह मेन कुलस्ते,राम कुमार कुशवाहा, धनीराम झारिया,राम कुमार उइके ने बताया कि ग्राम पंचायत सरपंच विद्या बाई मरावी और सचिव वीर सिंह एवं सरपंच पति शाह मैन मरावी के द्वारा ग्राम पंचायत में सी.सी रोड निर्माण कार्य में भारी मात्रा में गबन किया गया है मुनगा टोला,गौठान चमर घटा, विधायक निधि ? 5 लाख की सीसी रोड साल में दो दो बार बनाई गई ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाड़ी भवन का कार्य आधा अधूरा पड़ा हुआ है हायर सेकेंडरी स्कूल वर्तमान पेपर ब्लॉक का घटिया निर्माण कराया जा रहा है।

आज हर किसी के पास इलेक्ट्रानिक गैजेट्स होते हैं। इसमें महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। वे भी अक्सर अपने स्मार्टफोन में बिजी रहती हैं। वे युवा महिलाएं ज्यादा वर्चुअल दुनिया में खोई रहती हैं, जो मदरहुड के खूबसूरत समय में होती हैं, उनकी दरकार होती है, वे अपने बच्चे की परवरिश पर ध्यान दें। लेकिन ऐसा होता नहीं, बच्चे वो ममता पाने से वंचित रहते हैं, जिस पर उनका हक है। यह स्थिति चिंताजनक है, मांओं को इस बात को लेकर सजग रहना बहुत जरूरी है।

मदर्स का स्क्रीन टाइम छीन रहा है बच्चों की परवरिश का हक

पैरेंटिंग

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चों की संभाल-देखभाल और उन पर स्नेह लुटाना हर मां की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर होता है। लेकिन इस नए दौर में स्मार्ट गैजेट्स का लगाव, अपने बच्चे के प्रति मां के प्यार को छीन रहा है, ममता में सेंध लगाई है। वर्चुअल दुनिया में हर पलकी मौजूदगी मदर्स का ध्यान भटका रही है। दरअसल, आभासी संसार से जुड़कर अटेंशन बंटने का प्रोसेस इतनी सहजता से होता है कि मदर्स यह समझ ही नहीं पातीं कि इसका क्या नुकसान हो सकता है। इसलिए बच्चे की परवरिश काल में हर मां के लिए एक सजगता जरूरी है कि वह अपने बच्चे की देखभाल के लिए जरूरी समय उसे जरूर दे।

मासूमों पर बुरा असर

चाइल्ड डेवलपमेंट जर्नल में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक पैरेंट्स का स्मार्टफोन अधिक इस्तेमाल करना छोटे बच्चों के मासूम मन पर बुरा असर डालता है। खासकर मां अगर स्नेह-संवाद के पलों में भी स्क्रीन में खोई रहे तो बच्चे के लिए बेहद नुकसानदेह है। तेल अवीव (इजराइल) यूनिवर्सिटी में मेडिसिन विभाग के एक रिसर्च में यह सामने आया है कि स्मार्टफोन का हद से ज्यादा यूज ना सिर्फ मां और बच्चे के बीच बातचीत को प्रभावित करता है, बल्कि बच्चे के विकास पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। विस्तार पाती तकनीक के इस जमाने में मदरहुड के खूबसूरत समय को जी रही महिलाओं को खासतौर पर सजग रहने की जरूरत है। तस्वीरों, जानकारियों और मनोरंजन का अकूत खजाना लिए मुट्ठी में मौजूद स्क्रीन, अगर आपके जीवन का जरूरी समय चुरा रही है तो सतर्क हो जाएं। खासकर वे मदर्स इस मामले में अवेयर रहें, जिनके बच्चे बहुत छोटे हैं, क्योंकि इस बेशकीमती समय पर बच्चों का भी पूरा हक है।

स्मार्ट गैजेट्स का बढ़ा है इस्तेमाल

आज के समय में हर उम्र के लोग स्क्रीन में ताकते हुए लंबा समय बिताते हैं। कोरोना काल में यह टाइम लिमिट और बढ़ गई है। महिलाएं भी व चु अल दुनिया से बड़ी संख्या में जुड़ी हैं। सर्च हो या अपडेट, उनका काफी वक्त स्मार्टफोन के साथ बीत रहा है। खासकर

युवा महिलाएं अपना काफी समय स्मार्ट गैजेट्स के साथ बिताती हैं। इस उम्र में मदरहुड को जी रही महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा होती है। लेकिन मांओं के स्क्रीन की दुनिया में बीत रहे इस समय में बच्चों का भी हिस्सा होता है।

समझना मुश्किल नहीं कि बहुत कम उम्र के बच्चों का ज्यादा संवाद अपनी मां से ही होता है। तकलीफदेह है कि मां का स्पर्श, स्नेह और साथ पाने के इस प्यार भरे दौर में स्क्रीन ने सेंध लगा ली है। शेयर और अपडेट्स का फेर मदर्स का समय, ऊर्जा और ध्यान बंटा रहा है। जिसका असर बच्चों की परवरिश पर पड़ रहा है। अगर आप भी ऐसा कर रही हैं तो तुरंत अवेयर हो जाइए।

क्या कहती है रिसर्च

हम आपको एक रिसर्च के बारे में बताना चाहेंगे। रिसर्चर्स ने कुछ मदर्स को फेसबुक पेज पर वीडियो देखकर लाइक करने को कहा गया। कुछ मांओं को रुचि के हिसाब से मैग्जीन और लेख पढ़ने को दिए गए और कुछ मदर्स को अपने-अपने बच्चों के साथ खेलने को कहा गया। बच्चे के साथ खेलते समय उनके पास ना तो स्मार्टफोन था और ना ही कोई मैग्जीन। देखने में आया कि बच्चे के साथ खेलने के अलावा मैगजीन पढ़ने या फोन चलाने की वजह से मां अपने बच्चे से दो-चौथाई तक कम बातचीत करती है। इतना ही नहीं, स्मार्टफोन पर ज्यादा समय बिताने वाली मांएं अपने बच्चे से चार गुना तक कम बात कर पाती हैं।

फेसबुक चलाते हुए बच्चे की किसी बात पर प्रतिक्रिया देने वाली मां की प्रतिक्रिया की क्वालिटी अच्छी नहीं होती। जबकि पूरी तरह बच्चे के साथ समय बिताने वाले ग्रुप में बच्चे के साथ मां का संवाद ज्यादा हुआ। बच्चे का सोशल डेवलपमेंट बेहतर हुआ। उसकी भाषाई पकड़ और परिवेश की चीजों से जुड़ी समझ अच्छी हुई। समझना मुश्किल नहीं, स्मार्ट गैजेट्स का साथ किस-किस स्तर पर बाधा बनता है, वो भी जीवन के उस पड़ाव पर जब बच्चों के लिए हर चीज नई होती है। हर जानकारी रोचक और हर बात अनोखी-सी लगती है। ऐसे में संवाद ही ना हो तो बच्चों के डेवलपमेंट के हर फ्रंट पर असर पड़ता ही है।

सबसे जरूरी है कि मदर्स अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। सार्थक संवाद कायम रखें, तभी उनका समयानुसार सर्वांगीण विकास संभव है।

मांएं हो जाएं सजग

आम जीवन से जुड़ी एक्टिविटीज हों, तस्वीरें हों या दूसरे अपडेट्स महिलाएं सोशल मीडिया पर काफी कुछ शेयर करती रहती हैं। समझना मुश्किल नहीं कि यह आदत स्मार्ट गैजेट्स को दिए जा रहे समय में इजाफा करती है। ऐसे में बतौर यूजर सोशल मीडिया से जुड़े होने के बावजूद बच्चों के साथ समय बिताते हुए मांएं थोड़ी सजग रहें और इन सुखद पलों को जी भरकर जीएं। हर प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने और वर्चुअल दुनिया में खोए रहने के बजाय एक समय सीमा तय कर लें और ज्यादा से ज्यादा समय अपने मासूम के साथ बिताएं, यह उसकी परवरिश के लिए जरूरी है।

तब आप भी बन जाएंगी वर्कप्लेस टीम लीडर

प्रोफेशन या वर्कप्लेस कोई भी हो, पुरुषों की तरह महिलाएं भी अपनी टीम लीडर यानी बॉस बनने की काबिलियत रखती हैं। लेकिन उस पोजिशन को पाने के लिए कुछ क्वालिटीज का होना जरूरी है। अगर आप अपने वर्कप्लेस पर बॉस बनने की चाहत रखती हैं तो यहां दिए जा रहे सजेशंस को फॉलो करें।

प्रोफेशनल सक्सेस

प्राची शर्मा

अगर आंकड़ों की मानें तो हमारे यहां दफ्तरों में वूमेन प्रोफेशनल्स महज 20 से 25 फीसदी ही हैं और जहां तक उनके ऑफिस बॉस या टीम लीडर होने की बात है तो यह संख्या और भी कम महज 4 से 5 फीसदी ही है। इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं हार्ड वर्क नहीं करतीं, उनके काम के रिजल्ट्स अच्छे नहीं होते या वे आगे बढ़ने की चाहत नहीं रखतीं। सच यह है कि उनमें भी अपनी टीम लीड करने यानी बॉस बनने की काबिलियत होती है लेकिन कुछ जरूरी बातों पर गौर ना करने की वजह से वे मनचाही पोजिशन हासिल नहीं कर पाती हैं। यहां हम बता रहे हैं, कुछ ऐसी क्वालिटीज के बारे में, जिनकी बदौलत आप अपने ऑफिस की बॉस बन सकती है।

मेंटली तैयार रहें

अपनी प्रोफेशनल लाइफ में हम जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं। लीडरशिप की चाह रखने वाली

हर वर्किंग वूमेन को फ्यूचर की बड़ी जिम्मेदारियों के लिए पहले दिन से ही मेंटली तैयार रहना चाहिए। दरअसल, जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ेगा, सीनियर होती जाएंगी, चुनौतियां और जिम्मेदारियां बढ़ती जाएंगी। याद रखें, जब तक बड़ी जिम्मेदारियों को उठाने के लिए आप मेंटली रेडी नहीं होंगी, आपकी सोच को विस्तार नहीं मिल सकेगा। इसलिए करियर के शुरुआती दिन से ही इस बात के लिए तैयार रहें कि किसी भी दिन आपको अपनी टीम का लीडर बनना पड़ सकता है। इससे आप जरूरत पड़ने पर हर जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभा पाएंगी।

जिम्मेदारी लेने से ना डरें

दुनिया के अलग-अलग फील्ड्स में जितनी भी फेमस फीमेल बॉस हुई हैं, इसके लिए उन सबकी भले ही उनकी कई व्यक्तिगत खूबियां शामिल हों, लेकिन सभी के अंदर जो एक कॉमन क्वालिटी पाई गई, वो होती है-जिम्मेदारी लेने की भावना। अमेरिकी अंतरिक्ष संगठन नासा में जब कल्पना चावला अपने करियर के शुरुआती दौर में थीं तो उनकी टीम में कई पुरुष भी थे और वह अपनी टीम की जूनियर सदस्य थीं। लेकिन वे ना सिर्फ अपने हिस्से का काम समय से कर लेती थीं, बल्कि अपने टीम के दूसरे ट्रेनी एस्ट्रोनॉट्स की ट्रेनिंग में भी जिम्मेदारी से मदद करती थीं। उनके इसी गुण से प्रभावित होकर नासा ने अंतरिक्ष के अपने सबसे महत्वाकांक्षी मिशन में उन्हें भेजने का निर्णय लिया था। कहने का मतलब है कि वर्कफील्ड कोई भी हो, महिलाओं को जिम्मेदारी लेने के मामले में हमेशा आगे रहना चाहिए। उनकी यही खूबी उन्हें बॉस बनाने में सबसे कारगर साबित होती है।

पूरे मन से काम को दें अंजाम

अपनी टीम का लीडर बनने के लिए जिम्मेदारी लेना, जितना इंपॉर्टेंट है, उतना ही इंपॉर्टेंट उस काम को बेहतर तरीके से अंजाम देना भी होता है। जो भी अपनी जिम्मेदारी को बोझ मानता है, उसकी विकास की राह वहीं रुक जाती है। इसलिए हर क्षेत्र में कामयाबी का परचम बुलंद करने के लिए जिम्मेदारियों को खुशी-खुशी उठाने को तैयार दिखें और इन्हें कभी भी बोझ मानकर अधूरे मन से पूरा ना करें। आपको यह सोचकर खुद को बूस्टअप करना चाहिए कि आपको यह जिम्मेदारी इसलिए मिल रही है, क्योंकि आप महत्वपूर्ण हैं। इसलिए जिम्मेदारियां से घबराएं नहीं। पूरे मन से अपने काम को पूरा करें। साथ ही वर्क मैनेजमेंट पर भी ध्यान दें ताकि बढ़ती रेस्पांसिबिलिटीज की वजह से वर्क क्वालिटी इफेक्टेड ना हो।

इन बातों पर अगर आप गौर करते हुए अपने काम करेंगी तो सही समय आने पर आप अपने वर्कप्लेस की टीम लीडर यानी बॉस की पोजिशन जरूर हासिल कर लेंगी।

डॉक्टर्स का कहना है कि शुरुआत में ही कैंसर का पता लगने पर इसका ट्रीटमेंट किया जा सकता है। लेकिन आमतौर पर महिलाएं कैंसर की वजह से होने वाले शारीरिक परिवर्तनों पर ध्यान नहीं देती हैं। इसीलिए इस वर्ष वर्ल्ड कैंसर डे की कैंपेन थीम 'क्लोज द केयर गैप' रखी गई है, जो लोगों में कैंसर के प्रति अवेयर रहने को प्रेरित करती है। हम बता रहे हैं महिलाओं में होने वाले कैंसर और इनके लक्षणों के बारे में।

वर्ल्ड कैंसर डे
4 फरवरी स्पेशल

कैंसर के शुरुआती लक्षण बिल्कुल ना करें इग्नोर

अवेयरनेस

डॉ. अंकुर बहल
वरिष्ठ निदेशक और विभागाध्यक्ष, ऑन्कोलॉजी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम

अधिकतर महिलाएं अपनी सेहत को लेकर लापरवाह होती हैं। दरअसल, उनकी प्राथमिकता में वे खुद नहीं, उनका परिवार और पारिवारिक जिम्मेदारियां होती हैं। इसीलिए वे रेग्युलर हेल्थ चेकअप नहीं करातीं। यही नहीं शरीर में कुछ एब्नॉर्मेलिटीज दिखने पर भी उसे इग्नोर करती रहती हैं। बीमारियों के बढ़ते दायरे को देखते हुए इनका सही समय पर डायग्नोसिस और उपचार कराना जरूरी है। कैंसर ऐसी ही एक गंभीर बीमारी है, जिसका समय पर डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट ना करने पर यह जानलेवा साबित होती है। इस बारे में हर महिला को पूरी तरह अवेयर होना चाहिए।

क्या होता है कैंसर

शरीर की स्वस्थ और सामान्य कोशिकाएं विकास, विभाजन और नष्ट होने के एक नियमित चक्र से गुजरती हैं। जब कोशिकाएं बीमार हो जाती हैं तो यह चक्र टूट जाता है, तब कोशिकाएं लगातार विकसित और विभाजित होती रहती हैं। ये असामान्य कोशिकाएं एक जगह इकट्ठी होकर ट्यूमर बना लेती हैं, जो एक गांठ का रूप ले लेता है।

कैंसर के स्टेज

कैंसर मुख्यत: दो प्रकार का होता है, प्राइमरी और सेकेंडरी। जब कैंसरयुक्त ट्यूमर शरीर के जिस भाग में विकसित होता है, वहीं तक सीमित रहे तो इसे प्राइमरी कैंसर कहते हैं। जब कैंसरयुक्त ट्यूमर, शरीर के किसी एक भाग में विकसित होता है और वहां से मूव करके किसी दूसरे भाग में फैलता है तो उसे सेकेंडरी या मेटास्टेटिक ट्यूमर कहते हैं। इसी तरह उसके मेटास्टेसिस होकर दूसरे अंगों और भागों तक पहुंचने की कंडीशन को थर्ड और फोर्थ स्टेज कहा जाता है। महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में स्तन कैंसर, सर्विक्स कैंसर, ओवरी कैंसर, यूटेरस कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं।

आरंभिक लक्षण

आपको प्रमुख कैंसरों के शुरुआती लक्षणों को अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

स्तन कैंसर: स्तन में गांठ होना, निप्पल से डिस्चार्ज होना, स्तन के आकार में बदलाव होना, बगल में सूजन या गांठ होना, निप्पल के आकार या त्वचा में बदलाव, स्तनों की त्वचा पर चकत्ते या खुजली होना, स्तन में दर्द होना।

सर्विक्स कैंसर: शारीरिक संबंध बनाने के बाद, दो पीरियड्स के बीच में या मेनोपॉज के बाद वैजाइना से ब्लीडिंग होना, वैजाइना से चिपचिपा द्रव निकलना जिसमें रक्त हो और तेज गंध हो, पेल्विक एरिया में दर्द होना, शारीरिक संबंध बनाने के दौरान दर्द होना।

ओवरी कैंसर: पेट में दर्द और पेट फूलना, बिना किसी कारण के वजन कम होना, थोड़ा खाते ही पेट भरा हुआ होने का अहसास होना, थकान और कमर में दर्द होना।

यूटेरस कैंसर: मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग होना, दो पीरियड्स के बीच में ब्लीडिंग होना, पेल्विक एरिया में दर्द होना।

कोलोरेक्टल कैंसर: बार-बार कब्ज होना या दस्त लगना, मल में रक्त आना, पेट में मरोड़ होना और गैस बनना, पेट साफ ना होना, थकान और कमजोरी महसूस होना, बिना किसी कारण के ही वजन कम होना।

यहां बताए गए लक्षणों के बारे में समझ लें और इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर डॉक्टर से तुरंत कंसल्ट करें।

प्रस्तुति- शमीम खान

समय पर डायग्नोसिस है इंपॉर्टेंट

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कैंसर के कुल मामलों और उससे होने वाली मौतों का अनुपात विश्व में भारत में सबसे अधिक है, क्योंकि हमारे देश में कैंसर के अधिकतर मामले एडवांस स्टेज में डायग्नोज होते हैं। अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, कैंसर का समय पर डायग्नोसिस हो जाए तो स्टेज-1 में ठीक होने की संभावना 95 प्रतिशत तक होती है। हमारे देश में 70-80 प्रतिशत मामले तीसरी और चौथी स्टेज पर सामने आते हैं, तब तक बीमारी इतनी बढ़ चुकी होती है कि उपचार करना मुश्किल हो जाता है। कैंसर के विरुद्ध लड़ाई में लोगों को इस बात के लिए जागरूक करना बहुत जरूरी है कि कैंसर लाइलाज नहीं है, इससे घबराने की जरूरत नहीं है। अगर समय रहते इसका उचित उपचार करा लिया जाए तो ना केवल इससे होने वाली मौतों को रोका जा सकता है बल्कि हेल्दी-नॉर्मल जीवन जीना भी संभव है।

बचाव के उपाय

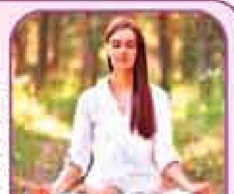

विश्व भर में हुए कई शोधों में यह बात सामने आई है कि कैंसर के कुल मामलों के कारणों में से 25-30 प्रतिशत हेल्दी-न्यूट्रीशस भोजन का सेवन करके, शारीरिक रूप से सक्रिय रहकर और मोटापे का शिकार ना होकर बचा जा सकता है। इनके अलावा कुछ और बातों का भी ध्यान रखें-

- वसा, चीनी और रेड मीट का सेवन कम करें।
- प्लांट प्रोडक्ट्स को अपने भोजन में अधिक से अधिक शामिल करें।
- एल्कोहल के सेवन से बचें।
- धूम्रपान ना करें, ना ही तंबाकू का सेवन करें।
- तनावमुक्त रहें, मानसिक शांति के लिए ध्यान करें, संगीत सुनें या अपना कोई शौक पूरा करें।
- अगर माता-पिता या परिवार के किसी सदस्य को कैंसर है तो रेग्युलर चेकअप करवाती रहें।

मलाइका अरोड़ा ने शेयर कीं अपनी नो फिल्टर तस्वीरें, देखकर फराह खान बोलीं- सबसे खूबसूरत

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी नई तस्वीरों की एक रील शेयर की हैं, जिसमें वह नो-मेकअप लुक दिख रही हैं। इन फोटो को मलाइका ने बिना फिल्टर किए इन्हें किया हैं, जिसकी वजह से वह खबरों में हैं। यूं तो मलाइका के सिंपल लुक को देख कर उनके चाहने वाले लट्टू हो रहे हैं तो वहीं उनकी दोस्त, फिल्म निर्माता फराह खान ने उनके पोस्ट पर कॉमेंट कर कर, उन्हें बताया कि वह बिना किसी फिल्टर और नो-मेकअप लुक में भी सबसे अच्छी दिखती हैं।

मलाइका का नो फिल्टर लुक वायरल

मलाइका इंस्टाग्राम पर इन फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखती हैं, %नो फिल्टर%। इस पोस्ट में उन्होंने कुल तीन फोटोज को शेयर की हैं। फोटो में वह कुर्सी पर बैठे हुए कॉफी का लुत्फ उठा रही हैं। इस दौरान उन्होंने प्रिंटेड रॉम्पर कैरी की हुई हैं। पहली तस्वीर में मलाइका अपने खुले बालों पर हाथ रख पोज देती नजर आई हैं। दूसरी फोटो में वह अपने दूसरे हाथ को देख रही हैं और तीसरी पिक्चर में मलाइका साइड पोज देती हुई दिख रही हैं।

फैन्स के साथ सितारों ने भी किया कॉमेंट

इन तस्वीर में मलाइका काफी ग्लैमरस और स्टाइलिश दिख रहीं हैं। फैन्स जमकर उनकी तारीफें कर रहे हैं। किसी ने लिखा है %आपकी बेहतरीन फोटो% तो किसी ने लिखा है %बहुत ही खूबसूरत%। किसी ने उनकी फ्रेश स्क्रीन की तारीफ की तो किसी ने उनके पूरा लुक को कायनात और नैचुरल ब्यूटी कहा है। वहीं फिल्म मेकर्स और कोरियोग्राफर फराह खान ने लिखा है,%तुम इस तरह भी सबसे खूबसूरत लगती हैं कमिनी।% वहीं, सीमा खान और महीप कपूर ने लव और फायर वाला इमोजी बनाया है।

कलेक्टर ने फिर हनुमानताल का किया निरीक्षण

तीन दिन पहले जैसी स्थिति आज भी है फिर आऊंगा ये ध्यान रखना

जबलपुर, यशभारत। कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी आज रविवार एक बार फिर नगर निगम कमिश्नर आशीष वशिष्ठ के साथ हनुमानताल पहुँचे और यहां साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तीन दिन पहले दिये गये निर्देशों पर हुई कार्यवाही का जायजा लिया । ज्ञात हो कि डॉक्ट इलैयाराजा ने तीन दिन पहले गुरुवार को हनुमानताल क्षेत्र का भ्रमण किया था तथा अधिकारियों को तालाब सहित इस क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने निर्देश दिये थे । कलेक्टर ने इस दौरान हनुमानताल के चारों तरफ घूमकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा स्थानीय निवासियों से भी चर्चा की । उन्होंने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने में सहयोग का आग्रह लोगों से किया तथा तालाब में अवशिष्ट न फेंकने की अपील की । डॉक्टर इलैयाराजा ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को हनुमानताल तालाब के आसपास परिसर व तालाब को साफ रखने हेतु आमजन के सहयोग से कार्य करने के निर्देश दिये । उन्होंने कहा कि आज दिये गये निर्देशों की प्रगति अगले निरीक्षण में दिखनी चाहिए । कलेक्टर के हनुमानताल निरीक्षण के दौरान एसडीएम आधारताल नमः शिवाय अरजरिया, तहसीलदार राजेश सिंह, नायब तहसीलदार संदीप जायसवाल, नगर निगम के संभागीय अधिकारी देवेंद्र चैहान उपस्थित रहे ।

नींद के झोंके ने छीन ली जिंदगी

सफर के दौरान युवक ट्रेन से गिरा, मौत

जबलपुर, यशभारत। गाडरवारा के जमाडा रेलवे अप लाइन में एक 43 वर्षीय युवक की ट्रेन से किरने के कारण दर्दनाक मौत हो गयी। दरअसल युवक ट्रेन के गेट में खड़े होकर सफर कर रहा था, तभी नींद का झोंका आ गया, जिसके बाद युवक गिरकर दुर्घटना का शिकार हो गया। की सूचना गाडरवारा पुलिस को दी गई सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक कार्यवाही के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी पहचान के प्रयास करने में लगी हुई है। पुलिस ने बताया कि एक 45 वर्षीय युवक रात को किसी ट्रेन से यात्रा कर रहा था जिसे नींद का झोंका जाने के कारण वह ट्रेन से गिर गया और उसकी मौत हो गई । मृतक नीले रंग का इनर, हरे कलर की बनियान , हरे कलर का पैंट पहने हुए हैं एवं उसके सिर के बाल बने हुए हैं। जिससे ऐसा लगता है कि वह कहीं से मुंडन करा कर लौटा था और इस दुर्घटना का शिकार हो गया । पुलिस ने मर्गकायम कर घटना को विवेचना में लिया है।

पनागर बायपास में भीषण सड़क हादसा

ट्रक से ट्राला टकराया, ट्राला के केबिन में फंसकर चालक की दर्दनाक मौत

जेसीबी एवं हाईड्रा मशीन से केबिन काटकर निकाला गया शव, 2 घायल

जबलपुर, यशभारत। पनागर बायपास एनएच 30 बेहर के पास शनिवार की दरमियानी रात गलत साइड पर खड़े ट्रक से ट्राला चालक टकरा गया। इस भीषण हादसे में ट्राला का सामने का हिस्सा ट्रक के पिछले हिस्से में घुस कर पिचक गया था। ट्राला के ड्राईवर की कैबिन में फंस कर दर्दनाक मौत हो चुकी थी।

सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने तत्काल जेसीबी एवं हाईड्रा मशीन लाकर मृतक मलोक सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी सुजाला थाना गुमान जिला गुरूदासपुर पंजाब के शव को बाहर निकलवा । पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। वहीं, ट्रक चालक और परिचालक भी घायल हैं। जानकारी अनुसार पुलिस को सुरेन्द्र सिंह उम्र 39 वर्ष निवासी गोहाना रोड जींद थाना जींद हरियाणा ने बताया कि वह ट्रक ड्रायवरी करता है। दरमियानी रात मलोक सिंह सरदार ट्राला क्रमांक एचआर 46 एफ9495 फ ईव एक्सल 18 चका को लेकर सतना से रायपुर माल लोडिंग के लिये जा रहा था। वह भी उसी कम्पनी का ट्राला चलाता है, वह मलोक सिंह के पीछे पीछे ट्राला ले कर जा रहा था । पनागर बायपास एनएच 30 बेहर के पास ट्रक क्रमांक यूपी 61 ए टी 6388 के चालक ने रोड पर ट्राला को गलत साइड में खड़ा कर दिया। जिसमें कोई संकेत

नही लगे थे। जिस कारण मलोकसिंह का ट्राला क्रमांक एचआर 46 एफ9495, रोड के बाहर खड़े ट्रक क्रमांक यूपी 61 एटी 6388 के पीछे टकरा गया। हादसे में ट्राला के सामने का केबिन टूटकर अंदर पिचक गया मलोक सिंह की गंभीर चोट आने से मौके पर मृत्यु हो गयी ।

घरेलु विवाद पर बहू ने की सास से जमकर मारपीट

दीवार पर पटक दिया सिर, लहूलुहान हालत में थाने पहुंची वृद्धा

जबलपुर, यशभारत। हनुमानताल के पंजाब बैंक कॉलोनी में घरेलु विवाद के चलते बहू ने सास से जमकर मारपीट कर दी और जब इतने से मन नहीं भरा तो दीवार पर सिर पटक दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गयी। रोते हुए थाने पहुंची पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गीता बाई पति इल्काई पटैल उम्र 65 वर्ष ने बताया कि वह पंजाब बैंक कॉलोनी की निवासी है। दरमियानी रात उसकी बहू रजनी पटैल पति उमाशंकर पटैल उम्र 40 वर्ष घेरलु विवाद करने लगी और गालियां देने लगी। जब उसने मना किया तो जमकर मारपीट करते हुए घायल कर दिया। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

प्रथम पुण्यतिथि

।। नमन श्रद्धांजलि ।।

स्व. अजय कुमार घई जी (13/2/2021)

लोकप्रिय श्रमिक नेता

यश भारत परिवार

सोने-चाँदी के जेवरात समेत नगदी ले उड़े चोर

सिपाही के सूने घर से 95 हजार की चोरी

जबलपुर। माढ़ोताल में एक सिपाही के सूने मकान में चोरों ने धाबा बोलते हुए सोने-चाँदी के जेवरात समेत करीब 95 हजार के माल में हाथ साफ कर, रफूचक्कर हो गए।

जब सिपाही घर लौटा तो मेन गेट का टूटा हुआ ताला देखकर आवक रह गया। अंदर जाकर देखा तो पूरा घर बिखरा हुआ पड़ा था, अलमारी में रखे जेवर और नगदी गायब थे। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए फरार आरोपी की तलाश शुरु करने में जुटी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि संजय पटैल निवासी ग्रीन सिटी शिवाजी नगर, पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर कार्यरत है। जिनके सूने मकान का ताला तोड़कर चोर नगदी और जेवरात ले उड़े। पुलिस अब सीसीटीव्ही फुटेज खंगाल कर, आरोपियों के गिरेबां तक पहुंचने प्रयासरत है।

ज्वेलर्स दुकान में एक लाख की झुमकी सेट ले उड़े चोर

चरगवां के बिजोरी ग्राम में आज रविवार की सुबह एक बाइक पर सवार होकर दो बदमाश महिमा ज्वेलर्स पहुंचे और करीब 1 लाख की झुमकी का सेट लेकर मौके से फरार हो गए । घटना की सूचना दुकान संचालक ने पुलिस को दी। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान संचालक से पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेने के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें आरोपी कैद हैं । पुलिस आरोपियों को सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। थाना प्रभारी विनोद पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि बिजोरी गांव में श्रेजल सोनी पिता मुकेश सोनी उम्र 25 साल महिमा ज्वेलर्स की दुकान है । आज सुबह 10:30 बजे 1 पल्सर बाइक में दो अज्ञात शातिर बदमाश ज्वेलर्स की दुकान के अंदर घुसे और उन्होंने आभूषण दिखाने के लिए कहा इसी दौरान एक बदमाश ने दुकान संचालक को बातों में लगाए रखा दूसरा बदमाश झुमकी की डिब्बी अपने साथ रख लिया और दोनों मौके से फरार हो गए । दुकान संचालक द्वारा जब चेक किया गया तो उसमें झुमकी की एक डिब्बी नहीं मिली । बाद में उसने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक बदमाश झुमकी अपने पास रखते हुए कैद हो गया। पुलिस द्वारा ज्वेलर्स संचालक की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाशों की सरगर्मी से तलाश करने में लगी हुई है।

गेट का कुंदा तोड़कर दिया वारदात को अंजाम

भेड़ाघाट में कुंदा तोड़कर 80 हजार की चोरी

जबलपुर, यशभारत। थाना भेड़ाघाट के रेवा कालोनी में दरमियानी रात चोरों ने सूने मकान का गेट पार कर, गेट का कुंदा तोड़कर जेवरात समेत 80 हजार रूपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, फरार आरोपियों की तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार गंगाराम सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी चौकीताल रेवा कालोनी रोड भेड़ाघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अपने घर में ताला लगाकर अपने परिवार सहित बांदा उत्तरप्रदेश अपने गांव चला गया था। वापस जबलपुर आकर अपने घर में देखा तो लकड़ी का मुख्य दरवाजा का कुंदा टूटा हुआ था । अंदर जाकर देखा तो आलमारी टूटी हुयी थी। सामान बिखरा पड़ा था लॉकर मे रखे सोने की एक चैन, 1 अंगूठी, एक जोडी चांदी की पायल, नगदी 3 हजार रूपये गायब थे ।

इंदर सिंह राजपूत का निधन

जबलपुर। गुप्तेश्वर निवासी इंदर सिंह राजपूत का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप अंग्रेजी समाचार पत्र हितवाद पत्रकार आशीष राजपूत तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया में कार्यरत मनीष राजपूत के पिता थे।

आर.एण्ड आर. डायबिटिक एण्ड थायराईडक्लीनिक
Dr. Abhishek Shrivastav
MD DMsc Endocrinology (England)
Masters in Endocrinology RCP (England)
Editorial Board Member Joumal of Endocrinology and Metabolism Research
Editorial Board Member MSD Research Publication
देश के जाने माने थायराइड डायबिटीज हार्मोस रोग विशेषज्ञ इंग्लैण्ड से प्रशिक्षित अपॉइटमेंट लेने का समय सुबह10 से शाम 6 बजे तक। मो. 7869022999, 9977369339
क्लीनिक: मदन महल थाने के पास, HP पेट्रोल पंप के सामने नेपियर टाउन, जबलपुर
समय: दोपहर 12 बजे से 7 :30 बजे तक
Regd. No. 31955

वास्तविक नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन
शंकरा आई फाउंडेशन के VISION 100000 प्रोजेक्ट के अंतर्गत
दक्ष नेत्रालय
लेंस का भी चार्ज नहीं
डॉ. चैताली पटेल हर्षे
MBBS, MS, FLVPEI (LV PRASAD EYE INSTITUTE)
डॉ. कौस्तुभ हर्षे
MBBS (AFMC), DNB (GOLD MEDAL), FVRS (SANKARA)
परामर्श शुल्क 350/-
प्रथम तल, ओमेगा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर
9111021252, 0761-4925929, 7049984830
सोम- शनि । समय: 10AM-6PM

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडोंटिक्स)
रजि नं. A- 1918
रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहाँ दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
-: सुविधाएँ उपलब्ध :-
दंतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दंतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दंतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दॉत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्प्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रैक्शन)।

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. काडियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग- पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।
पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

यश भारत के 16वें वर्ष में प्रवेश पर यश भारत परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं
RERA Reg. No. P-JBP-21-2964
P-JBP-21-2975
THE GOLDEN TOWN
Best Option Best Price
Behind ISBT, Deendayal Chowk to Green City Road, Jabalpur
Just 2 mins - 1 km approx from Deendayal Chowk

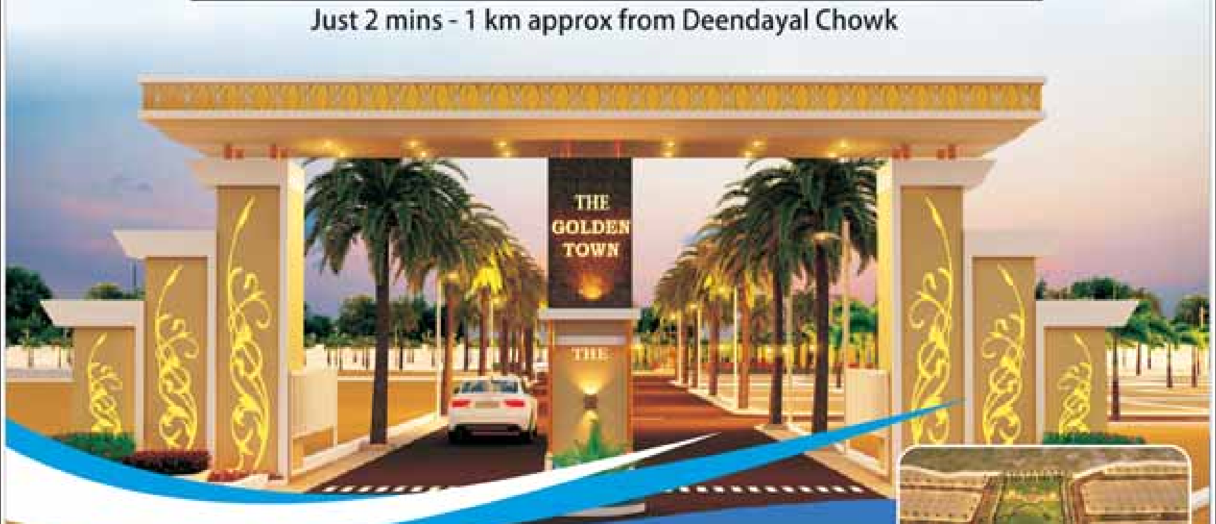

Happiness is waiting for you.
Grab it at Best Location
✓ Prime Location
✓ Excellent Connectivity
✓ Close to the hustle and bustle of Deendayal Chowk and yet nestled away in a Green Peaceful & Happy Location
✓ Some Duplexes already occupied

3 BHK Duplex For Sale
Constructed on 900 - 1300 sq.ft. plot approx.
Construction of Duplexes upto 80% Completed
Highlights
• Massive Garden with Children's Play Area
• Sitting Arenas, Walking & Jogging Tracks
• Grand Entrance Gate
• Lush Green Peaceful Atmosphere
• Secure Campus with compound wall.
Project Sanctioned By All Authorities
* terms & conditions apply

Contact: 9300714787, 8720035489
SHRUTI

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)